श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2020-22

साझा करें अपने मित्रों से

सांध्य दैनिक

दुर्ग-रायपुर-बस्तर संभाग

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल

श्रीकंचनपथ ONLINE

visit us http://www.shreekanchanpath.com

वर्ष- 13, अंक - 172

भिलाई, रविवार 10 अप्रैल 2022

पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

लाउडस्पीकर विवादः एमएनएस ने शिवसेना भवन के बाहर किया हनुमान चालीसा का पाठ, पुलिस बल की तैनाती

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में लाउडस्पीकर को लेकर विवाद बढ़ता ही जा रहा है। राज ठाकरे की महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (एमएनएस) ने रामनवमी के मौके पर शिवसेना भवन के बाहर लाउडस्पीकर लगाकर हनुमान चालीसा का पाठ किया है। इससे जुड़ी कुछ तस्वीरें भी सामने आई हैं। जिसके बाद शिवसेना भवन के बाहर पुलिसकर्मियों की संख्या बढ़ा दी गई है। बता दे कि मनसे प्रमुख राज ठाकरे ने कुछ दिन पहले चेतावनी देते हुए कहा था कि मस्जिदों के बाहर से लाउडस्पीकर हटाए जाएं नहीं तो वे मस्जिद के सामने हनुमान चालीसा बजाएंगे। जिसके बाद शिवसेना के वरिष्ठ नेता संजय राउत ने कहा था कि महाराष्ट्र में कानून का राज चलेगा।

राज ठाकरे ने एक सभा को संबोधित करते हुए कहा था कि मैं नमाज के खिलाफ नहीं हूं, लेकिन सरकार को मस्जिद के लाउडस्पीकर हटाने पर फैसला लेना चाहिए। मैं अभी चेतावनी दे रहा हूं। लाउडस्पीकर हटाओ वरना मस्जिद के सामने लाउडस्पीकर लगाएंगे और हनुमान चालीसा बजाएंगे। उन्होंने कहा कि मुझे यह देखकर खुशी हुई कि उत्तर प्रदेश प्रगति कर रहा है। हम महाराष्ट्र में वही विकास चाहते हैं। अयोध्या जाऊंगा, लेकिन आज नहीं बताऊंगा कब, हिंदुत्व की भी बात करूंगा। मुझे अपने धर्म पर गर्व है।

श्रीनगर में एनकाउंटर
सीआरपीएफ जवानों पर हमले में शामिल आतंकी ढेर

श्रीनगर (एजेंसी)। श्रीनगर में सीआरपीएफ के जवानों पर हाल ही में हुए हमले में शामिल एक आतंकवादी शहर में रविवार को हुई मुठभेड़ मारा गया। पुलिस ने यह जानकारी दी है। एक अधिकारी के मुताबिक, बिशंबर नगर में आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना मिलने पर सुरक्षाबलों ने इलाके की घेराबंदी कर तलाशी अभियान शुरू किया था, जिसके बाद आतंकवादियों ने उन पर गोलीबारी शुरू कर दी। अधिकारी के अनुसार, सुरक्षाबलों ने जवाबी कार्रवाई की, जिसके चलते दोनों पक्षों में मुठभेड़ शुरू हो गई और एक आतंकवादी मारा गया। कश्मीर के पुलिस महानिरीक्षक (आईजीपी) विजय कुमार ने बताया कि मारा गया आतंकवादी चार अप्रैल को श्रीनगर के मैसूमा इलाके में हुए हमले में शामिल था, जिसमें सीआरपीएफका एक जवान शहीद हो गया था और एक अन्य घायल हो गया था।

राख के ढेर में तब्दली सूर्या नगर, पहुंची फॉरेंसिक टीम, मजिस्ट्रेट जांच की घोषणा

- प्रभावितों को प्रधानमंत्री आवास में व्यवस्थापन की तैयारी
- स्कूल भवन में ठहराकर की जा रही भोजन-पानी की व्यवस्था

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। पावर हाउस भिलाई के फ्लमंडी से लगी बस्ती में शनिवार को लगी आग ने 150 परिवारों के लगभग 700 लोगों को बेघर कर दिया है। आज रायपुर व दुर्ग की फॉरेंसिक टीम ने मौके पर पहुंचकर जायजा लेते हुए आगे की वैज्ञानिक जांच के लिहाज से जरुरी साक्ष्य एकत्रित किया। इस बीच प्रभावित परिवारों को निगम द्वारा प्रधानमंत्री आवास में व्यवस्थापन किए जाने की तैयारी शुरू कर दी गई है। फ्लिहाल सभी पीड़ितों को नजदीक के स्कूल भवन में ठहराकर भोजन-पानी की व्यवस्था की जा रही है।

भीषण आगजनी से राख के ढेर में तब्दील सूर्या नगर बस्ती में आज रायपुर और दुर्ग की फॉरेंसिक टीम पहुंची। आगजनी की इस घटना को लेकर कलेक्टर ने मजिस्ट्रेट जांच की घोषणा किया है। इस लिहाज से फॉरेंसिक टीम

के सदस्यों ने आज घटना स्थल पर आगजनी के वैज्ञानिक कारण जानने के लिए जरूरी साक्ष्य एकत्रित किया। टीम ने प्रभावित परिवारों से बातचीत भी की।

पावरहाउस फ्ल मंडी के नजदीक सूर्या नगर बस्ती में आग बूझने के बाद चारों ओर राख और बेघर लोगों के आंसू ही दिख रहे हैं। रोते बिलखते बच्चे अपने किताबों खिलौनों को ढूंढ रहे थे तो महिलाएं व पुरुष अपने आशियाने के निशान देख रहे हैं। इस हादसे ने पूरी बस्ती को ही तबाह कर दिया। भले ही निगम के रिकार्ड में यह अवैध बस्ती है लेकिन यहां फ्ल मंडी में वेंडर्स का काम करने वाले लगभग 150 से ज्यादा परिवार रह रहे थे। शनिवार दोपहर 2.45 बजे बस्ती के घर में आग लगी और देखते ही देखते आग पूरी बस्ती में फैल गई। यही नहीं इस दौरान 15 सिलेण्डर ब्लास्ट हुए। हादसे के बाद मौके पर जिला कलेक्टर, डॉ सर्वेश्वर नरेन्द्र भुरे, एसपी बद्रीनारायण मीणा व निगम आयुक्त प्रकाश सर्वे के साथ अफ्सर और कर्मचारी पहुंचे। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि आसमान में दूर दूर तक धुंए व आग की लपटें दिखाई दे रही थी। वहीं बीच बीच में सिलेण्डर ब्लास्ट हो रहे थे। आग -आग चिल्लाते हुए झुग्गियों ने लोग बाहर निकले। लोग अपनी जान बचाकर इधर उधर भागने लगे थे।

घटना के बाद मौके पर प्रशासनिक अमले ने प्रभावित लोगों को राहत देने का काम शुरू कर दिया। मौके पर पहुंचे कलेक्टर सर्वेश्वर भुरे ने घटना की मजेस्ट्रीयल जांच के आदेश दिए हैं। वहीं महापौर नीरज पाल एवं आयुक्त प्रकाश सर्वे के निर्देश पर विजय टॉकीज रोड के समीप स्कूल भवन में प्रभावितों को रहने की व्यवस्था की गई है। लगभग एक हजार लोगों की खाने की व्यवस्था, ठहरने की व्यवस्था की जा रही है।

मुख्यमंत्री बघेल ने जताया दुख

इस घटना के बाद प्रदेश के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का भी बयान आया। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने भिलाई के फ्ल मंडी पावर हाऊस के पीछे स्थित बस्ती में लगी आग की घटना पर दुख व्यक्त किया है। उन्होंने जिला कलेक्टर को घटना से प्रभावित घालयों के त्वरित तथा उचित इलाज की व्यवस्था के निर्देश दिए हैं। साथ ही प्रभावितों को हर संभव मदद देने के निर्देश दिए हैं।

सांसद, विधायक और महापौर पहुंचे

आज सांसद विजय बघेल, विधायक देवेंद्र यादव, महापौर नीरज पाल और पूर्व मंत्री बदरुद्दीन कुरैशी ने सूर्या नगर पहुंचकर पीड़ितों से मुलाकात की। इससे पहले शनिवार को वैशाली नगर विधायक विद्या रतन भसीन ने भी बस्ती में आकर आगजनी से हताहत परिवारों को हर संभव मदद का आश्वासन दिया। आज सांसद, विधायक और महापौर ने भी प्रभावित परिवारों के भोजन पानी और अन्य जरुरत की सामान प्रशासन के माध्यम से उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया।

कन्या पूजन

भिलाई। हिंदुओं के सबसे बड़े महापर्व नवरात्रि पर नवमी के दिन कन्याओं का पूजन कर उन्हें भोग प्रसाद खिलाया जाता है जिससे मनोकामनाओं की पूर्ति होती है इसी कड़ी में दुर्ग जिले में भी महानवमी की धूम रही जहां सैकड़ों मंदिरों और घरों में कन्याओं के पैर धुलाई गए जिसके बाद उन्हें पैरों में भारतीय संस्कृति के अनुरूप कन्याओं का पूजन किया गया। पूजा के बाद आरती उतारी गई और कन्याओं को भोजन करा कर उनसे आशीर्वाद लिया गया।

रेल परियोजनाः आंदोलन पर अब नहीं लगेगा ब्रेक, बस्तर को देना ही होगा रेलवे ट्रैक

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रावघाट से जगदलपुर तक रेल लाइन बिछाने का काम जल्द शुरू कराने हाथों में तख्तियां लेकर सैकड़ों लोग अंतागढ़ से जगदलपुर तक मार्च पर निकले हैं। सात दिनों में 130 किलोमीटर का सफ्र तय कर बस्तर रेल आंदोलन से जुड़े लोग भानपुरी पहुंच चुके हैं। पदयात्रा में शामिल लोगों का कहना है कि अब आंदोलन पर ब्रेक नहीं लगेगा और बस्तर रेलवे ट्रैक लेकर ही रहेगा। बड़ों सहित छोटे बच्चे भी तख्ती लेकर आंदोलन का समर्थन कर रहे हैं।

बता दें कि बस्तर में रावघाट से जगदलपुर तक रेल परियोजना का काम कई सालों से अटका पड़ा है। रायपुर से अंतागढ़ तक रेल लाइन बिछाने का काम पहले चरण में पूरा हो गया है। वहीं अंतागढ़ से जगदलपुर तक का काम अटका है। भूमि अधिग्रहण और नक्सल समस्या की वजह से काम आगे नहीं बढ़ पाया है। केंद्र का कहना है भूमि अधिग्रहण नहीं किया गया है। साल 2022 तक रावघाट से लेकर जगदलपुर तक करीब 141 किमी तक पटरियां बिछनी थीं।

3 अप्रैल को अंतागढ़ से पदयात्रा की शुरुआत

बस्तर रेल आंदोलन को सभी समाजों का समर्थन मिल रहा है। शनिवार को आज पदयात्रा भानपुरी पहुंची है। पदयात्रा में दशरथ कश्यप, किशोर पारख, संपत झा, पुरुषोत्तम नोयल, शंकर लाल गुप्ता, जीतू गोलछा, रोहित सिंह बेस, किशोर दुग्गड़, अजय जैन, राजा कोष्टा, गजेंद्र चांडक, अनिल केला, मनीष ईनाणी, किसान मित्र संघ से सिंगा दसरू, हिड़मो समलु, परदेशी, बुधराम, पीलू, दिनेश कुमार, लक्ष्मण दिनेश बोनजा, मासाराम सहित सैकड़ों लोग शामिल हैं।

अब 40 किलोमीटर की दूरी तय करना बाकी

यह पदयात्रा 3 अप्रैल को अंतागढ़ से शुरू हुई है। अंतागढ़ से जगदलपुर तक करीब 170 किमी का यह मार्च है। 130 किमी की दूरी तय कर ली गई है। अब लगभग 40 किमी की दूरी तय करनी बाकी है। 12 अप्रैल की सुबह पदयात्रा में शामिल लोग जगदलपुर पहुंचेंगे। आज भानपुरी में रात्रि विश्राम के बाद सभी कल सुबह बस्तर के लिए निकलेंगे। पदयात्रा के दौरान गांवों में रेल आंदोलन से बच्चे, महिलाएं, पुरुष व बुजुर्ग भी जुड़ रहे हैं।

छतीसगढ़ की संस्कृति एवं परम्परा में रचे-बसे हैं भगवान राम -गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू

गृहमंत्री ने प्रदेशवासियों को दी रामनवमी की शुभकामनाएं

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू ने प्रदेशवासियों को 10 अप्रैल को प्रभु श्रीराम के पावन जन्मदिवस रामनवमी पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी है। उन्होंने इस पावन अवसर पर प्रदेश वासियों के मंगलमय जीवन और सुख, शांति एवं समृद्धि की कामना की है। गृहमंत्री साहू ने कहा है कि छत्तीसगढ़ की संस्कृति एवं परम्परा में प्रभु श्री राम रचे-बसे हैं। प्रभु श्री रामचन्द्र जी का संपूर्ण जीवन हम सबको आदर्शों पे चलने

और मर्यादाओं का पालन करने की प्रेरणा प्रदान करता है।

उन्होंने कहा कि यह हम सबके लिए गर्व और हर्ष की बात है कि छत्तीसगढ़ भगवान श्रीराम का ननिहाल रहा है और उन्होंने अपने वनवास का अधिकांश समय यहां बिताया। वनवास काल के दौरान श्रीराम छत्तीसगढ़ में जिस मार्ग से गुजरे थे, उसे राज्य सरकार 'राम वन गमन पर्यटन परिपथ' के रूप में विकसित कर रही है। राम वन गमन पर्यटन परिपथ के अंतर्गत प्रथम चरण में सीतामढ़ी-हरचौका (जिला कोरिया), रामगढ़ (जिला सरगुजा), शिवरीनारायण (जिला जांजगीर-चांपा), तुरतुरिया (जिला बलौदाबाजार), चंदखुरी (जिला रायपुर), राजिम (जिला गरियाबंद), सप्तऋषि आश्रम सिहावा (जिला धमतरी), जगदलपुर और रामाराम (जिला सुकमा) को विकसित किया जा रहा है।

इसी कड़ी में चंदखुरी के बाद अब शिवरीनारायण में रामनवमी के पावन अवसर पर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा राम वन गमन पर्यटन परिपथ के अंतर्गत विकसित की गई नई सुविधाओं और विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण किया जायेगा। 'राम वन गमन पर्यटन परिपथ' योजना से भावी पीढ़ी को अपनी सनातन संस्कृति से परिचित होने के अवसर के साथ ही देश-विदेश के पर्यटकों को उच्च स्तर की सुविधाएं भी प्राप्त होंगी।

शहबाज होंगे नए पीएमः जेल भी जा चुके हैं नवाज शरीफ के छोटे भाई, तीन बार रह चुके हैं मुख्यमंत्री

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान में इमरान खान की कुर्सी आखिरकार चली गई। अविश्वास प्रस्ताव पर नौ अप्रैल की देर रात हुए मतदान के नतीजों ने इमरान का अंक गणित बिगाड़ दिया। इस दौरान न तो इमरान खान नेशनल असेंबली में मौजूद थे और न ही उनकी पार्टी के सदस्यों ने मतदान में हिस्सा लिया। विपक्ष को 174 वोट मिले, हालांकि सरकार बनाने के लिए 172 वोट की जरूरत थी।

इससे पहले इमरान नीत पीटीआई गठबंधन के पास 179 सदस्य थे, लेकिन MQM-P समेत बाकी सहयोगियों के साथ छोड़ने से उसके पास 164 सदस्य रह गए थे। दूसरी ओर विपक्ष की संख्या बढ़कर 177 मानी जा रही थी। इमरान के 24 सांसद बागी बताए जा रहे थे। बहरहाल अंततः इमरान खान की सरकार गिर गई।

शहबाज शरीफ होंगे पीएम

इमरान खान के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने वाले विपक्षी दलों के नेताओं ने पहले ही पीएम पद के उम्मीदवार का नाम तय कर लिया था। शनिवार को भी वोटिंग से पहले विपक्षी दलों के नेताओं ने बैठक की और इसमें शहबाज शरीफ को अपना नेता चुना। मतलब साफ है कि शहबाज शरीफ ही पाकिस्तान के अगले प्रधानमंत्री होंगे। शहबाज 2020 में मनी लॉन्ड्रिंग के एक मामले में जेल भी जा चुके हैं। 2021 में उन्हें जमानत मिली थी। तब शहबाज ने कहा था कि उन्हें राजनीतिक द्वेष के चलते फंसाया जा रहा है।

2018 में हुए आम चुनाव में भी पाकिस्तान मुस्लिम लीग नवाज की तरफसे शहबाज को प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित किया गया था। हालांकि, तब इमरान खान की पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) ने चुनाव जीत लिया था।

सदन में विपक्ष के नेता, काफी अनुभव है

शहबाज शरीफका पूरा नाम मियां मुहम्मद शाहबाज शरीफ है। इनका जन्म 23 सितंबर 1951 में लाहौर में हुआ था। बड़े भाई नवाज शरीफ पाकिस्तान के प्रधानमंत्री रह चुके हैं। नवाज शरीफके समय ही भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पाकिस्तान गए थे। मौजूदा समय शहबाज पाकिस्तान की संसद में विपक्ष के नेता हैं। वह तीन बार पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के मुख्यमंत्री रह चुके हैं।

रोड-शो कर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने बनाया माहौल, सीएम शिवराज व डॉ. रमन पर बरसे

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजनांदगांव। छत्तीसगढ़ में खैरागढ़ उपचुनाव का प्रचार थमने से एक दिन पहले मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने जनसभा व रोड-शो कर माहौल बनाया। सीएम ने कानीमेरा में जनसभा को संबोधित करते हुए मध्य प्रदेश के सीएम शिवराज सिंह चौहान, पूर्व सीएम डॉ. रमन सिंह व भाजपा पर हमला बोला। बघेल ने कहा कि शिवराज खुद अनैतिक रूप से सरकार चला रहे हैं। कांग्रेस विधायकों को तोड़कर सरकार बनाई है।

भाजपा और उसके स्टार प्रचारकों पर हमला करते हुए भूपेश बघेल ने कहा कि कांग्रेस विधायकों को तोड़कर कोरोनाकाल में सरकार बनाने वाले नैतिकता की बात करते हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में 15 साल तक रमन सिंह की सरकार रही, लेकिन खैरागढ़ के लिए कुछ नहीं किया। डेढ़ दशक तक प्रदेश में सरकार में रहने वाली भाजपा

ने खैरागढ़ विधानसभा की जनता से बहुत छल किए हैं। हर छल और झांसे का जवाब देने खैरागढ़ तैयार है। भूपेश ने कहा कि भाजपा हर बार भगवान राम का नाम अलापती है। भाजपा की सरकार थी तब उन्होंने राम के नाम पर कुछ नहीं किया। कांग्रेस सरकार ने राम वन गमन परिपथ का निर्माण शुरू कर दिया है। कल वे खुद शिवरीनारायण जाकर इसका शुभारंभ करने वाले हैं।

भूपेश 4 अप्रैल से लगातार कर रहे जनसभाएं

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल जनसभा के बाद छुईखदान व खैरागढ़ में रोड-शो कर कांग्रेस के पक्ष में माहौल बनाया। गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू सहित कई मंत्री और विधायक साथ में मौजूद रहे। खुली जीप में गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू और पार्टी की उम्मीदवार यशोदा वर्मा के साथ मुख्यमंत्री सड़क पर उतरे। हजारों की संख्या में कार्यकर्ता और समर्थक नारे लगाते सड़क पर निकले। इस दौरान मुख्यमंत्री के ऊपर फूल भी बरसाए गए। बता दें कि सीएम भूपेश 4 अप्रैल से खैरागढ़ विधानसभा क्षेत्र में जनसभाएं कर रहे हैं।

भीषण हादसा, निर्माणाधीन पुल ढहने से 4 मजदूरों की गई जान, 2 की बची जान

लेह (एजेंसी)। लद्दाख के नुब्रा उपमंडल में शनिवार को ढहे एक निर्माणाधीन पुल के मलबे से चार कर्मियों के शव बरामद हुए हैं। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि लेह जिले के दिस्किट गांव के पास निर्माणाधीन शतसे तकना पुल का एक हिस्सा शनिवार शाम करीब चार बजे तेज हवाओं के कारण ढह गया था और इसके मलबे में छह मजदूर फंस गए थे।

अधिकारियों के अनुसार, मृतकों की पहचान जम्मू-कश्मीर में राजौरी जिले के राज कुमार और वरिंदर, छत्तीसगढ़ के मंजीत तथा पंजाब के लव कुमार के रूप में की गई है। उन्होंने बताया कि घायलों में राजौरी के कोकी कुमार और छत्तीसगढ़ के राजकुमार शामिल हैं।

संपादकीय

चिंताजनक है ये खबर

भारत में भी टाइप-2 डायबिटीज के मरीजों में गंभीर इंफेक्शन का मामला देखा गया है। यह इंफेक्शन जननांग और उसके आसपास के हिस्से में हो रहा है। इस इंफेक्शन को मेडिकल भाषा में 'नैक्रोटाइजिंग फैसियाइटिस ऑफ द पेरिनियम' या 'फोरनियर्स गैंगरीन' कहा जाता है। डायबिटीज की एक दवा के गंभीर दुष्परिणाम की खबर चिंताजनक है। गौरतलब है कि इस दवा के इस्तेमाल से जननांगों में इंफेक्शन का मामला पहले अमेरिका और कनाडा में सामने आया था। अब ऐसा भारत में भी हुआ है। भारत में भी टाइप-2 डायबिटीज के मरीजों में गंभीर इंफेक्शन का मामला देखा गया है। यह इंफेक्शन जननांग और उसके आसपास के हिस्से में हो रहा है। इस इंफेक्शन को मेडिकल भाषा में 'नैक्रोटाइजिंग फैसियाइटिस ऑफ द पेरिनियम' या 'फोरनियर्स गैंगरीन' कहा जाता है। सेंट्रल ड्रग स्टैंडर्ड कंट्रोल ऑर्गनाइजेशन ने राज्यों के सभी ड्रग कंट्रोलर्स को इंफेक्शन के लिए जिम्मेदार मानी जा रही दवा को लेकर आगाह किया है। उसने आदेश दिया है कि सोडियम ग्लूकोज कोट्रांसपोर्टर-2 दवा के पैकेज पर संबंधित चेतावनी लिखी जाए। अमेरिकी ड्रग एजेंसी एफडीए ने 2013 में इस दवा के इस्तेमाल की अनुमति दी थी। फिलहाल इसे मेटफॉर्मीन के बाद डायबिटीज की दूसरी दवा के तौर पर इस्तेमाल किया जाता है। बताया गया है कि ये दवा सोडियम-ग्लूकोज कोट्रांसपोर्ट प्रोटीन का स्तर उठा देती है, जिससे किडनी में ब्लड फिल्ट्रेशन के दौरान ज्यादा से ज्यादा ग्लूकोज मूत्र के जरिए शरीर से बाहर निकल जाता है। इससे डायबिटीज पीड़ितों के शरीर में ग्लूकोज का स्तर कम हो जाता है। लेकिन इस दवा के कुछ दुष्प्रभाव भी सामने आए हैं। इससे मूत्रनलिका का इंफेक्शन हो रहा है। बताया गया है कि हड्डियों के कमजोर होने का खतरा भी हो सकता है।

> स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया ने संसद में कहा था कि भारत में डायबिटीज से पीड़ित मरीजों की निश्चित संख्या का पता नहीं है, लेकिन इंटरनेशनल डायबिटीज फेडरेशन के डायबिटीज एटलस-2021 के मुताबिक भारत में 20 से 79 साल के डायबिटीज मरीजों की संख्या करीब 7.5 करोड़ है। साल 2045 तक इसके बढ़ कर 12.5 करोड़ हो जाने की आशंका है। इसीलिए ताजा खबर चिंता बढ़ाने वाली है।

डायबिटीज एक गंभीर रोग है, जो खून में ग्लूकोज की मात्रा बढ़ने से संबंधित है। यह दिल, नसों, आंखों और किडनी को भारी नुकसान पहुंचा सकता है। इसमें टाइप-2 डायबिटीज सबसे आम है, जो खासकर वयस्कों में होता है। यह तब होता है जब खून में इंसुलिन नहीं घुल रहा होता या फिर शरीर में पर्याप्त इंसुलिन का निर्माण नहीं होता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक पिछले तीन दशकों में कम कमाई वाले देशों में टाइप-2 डायबिटीज के मामलों में भारी बढ़ोत्तरी हुई है। स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया ने संसद में कहा था कि भारत में डायबिटीज से पीड़ित मरीजों की निश्चित संख्या का पता नहीं है, लेकिन इंटरनेशनल डायबिटीज फेडरेशन के डायबिटीज एटलस-2021 के मुताबिक भारत में 20 से 79 साल के डायबिटीज मरीजों की संख्या करीब 7.5 करोड़ है। साल 2045 तक इसके बढ़ कर 12.5 करोड़ हो जाने की आशंका है। इसीलिए ताजा खबर चिंता बढ़ाने वाली है।

मांस की बिक्री पर विवाद

दिल्ली की दो नगर निगमों ने अभी एक ऐसी घोषणा की है, जो एकदम नई जरुर है लेकिन तर्कसम्मत बिल्कुल नहीं लगती। उन्होंने आदेश जारी किया है कि नवरात्रि के दिनों में मांस बेचना मना होगा। मांस की बिक्री पर प्रतिबंध इसलिए लगाया जा रहा है कि नवरात्रि के उपवास के दिनों में यह भक्तों के लिए कष्टदायक होता है। मोहल्लों में बनी मांस की दुकानों पर लटके हुए पशुओं के लोथड़ों को देखकर भक्तों के मन में जुगुप्सा पैदा होती है। इसी तरह की मांग मध्यप्रदेश, कर्नाटक और उत्तरप्रदेश की सरकारों से भी की जा रही है।

मांस की दुकानें भारत में हो ही नहीं और कोई भी भारतीय मांस न खाए, यह तो मैं तहे-दिल से चाहता हूं लेकिन नवरात्रि के बहाने मांस की दुकानें बंद करवाने की बात बिल्कुल भी गले नहीं उतरती है। किसी हिंदू त्यौहार पर मांस की दुकानें बंद करवाने में सांप्रदायिक संकीर्णता की बदबू आती है। क्या मुसलमानों की यह मांग घोर सांप्रदायिक नहीं मानी जाएगी कि रमजान के महिने में सारे भारत के भोजनालय दिन के समय बंद रखे जाएं? भारत के जितने मुसलमान मांसाहारी हैं, उनमें दुगुनी-तिगुनी संख्या के हिंदू लोग मांसाहारी हैं। जिन हिंदू और मुसलमानों की मांस की दुकानें हैं, यदि उनका काम-धंधा 8-10 दिन बंद रहेगा तो क्या नगर निगम या सरकारें उसका मुआवजा उन्हें देगी? यदि नहीं तो किसी नागरिक का रोजगार छीनने का हक सरकार को कैसे दिया जा सकता है? यह तो संविधान में प्रदत्त मूलभूत अधिकारों का उल्लंघन है। यदि इस तरह के मनमाने आदेश का उल्लंघन करनेवालों को शासन दंडित करेगा तो वे अदालत के दरवाजे खटखटाएंगे और अदालतें ऐसे आदेशों को रद्द कर देंगी लेकिन इस तरह के आदेश जारी होने पर दो तरह की प्रतिक्रियाएं होती हैं।

एक तो यह कि डर के मारे मांस-विक्रेता अपनी दुकानें अपने आप बंद कर देते हैं और यदि वे बंद न करें तो अपने आप को हिंदूवादी कहनेवाले स्वयंसेवक उन दुकानदारों पर टूट पड़ते हैं। याने सारे मामले का सांप्रदायीकरण हो जाता है। यह बात छोटी-सी है लेकिन यह दूर तलक जा सकती है। यह सांप्रदायिक दंगों का रूप धारण कर सकती है। कोई नागरिक क्या खाता है, क्या पहनता है, क्या सोचता है, क्या यह भी सरकार तय करेगी?

वेद प्रताप वैदिक

> शुरुआती वर्षों में कांग्रेस पार्टी ने ब्रिटिश सरकार के साथ मिलकर भारत की समस्याओं को दूर करने की कोशिश की और इसने प्रांतीय विधायिकाओं में हिस्सा भी लिया लेकिन 1905 में बंगाल के विभाजन के बाद पार्टी का रुख कड़ा हुआ और अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ आंदोलन शुरू हुए। दादाभाई नौरोजी और बदरुद्दीन तैयबजी जैसे नेता कांग्रेस के साथ आ गए थे।आजादी के बाद सन 1952 में देश के पहले चुनाव में कांग्रेस सत्ता में आई।

विचार मंथनः क्यों सिमट रही है कांग्रेस!

डॉ श्रीगोपाल नारसन एडवोकेट

सन् 1984 में जिस कांग्रेस के लोकसभा में 404 सांसद थे ,आज वह 52 सांसदों पर क्यों सिमट गई है। इसी तरह एक एक कर राज्यो की सत्ता से भी कांग्रेस बाहर होती जा रही है। कई राज्यो में तो वहां की जनता कांग्रेस को लाना चाहती थी लेकिन कांग्रेस के नेता अपनी नासमझी या फिर आपस की लड़ाई से ऐसे निर्णय ले बैठते है जिससे लगता है अबोध कालिदास फिर से आ गया हो। जो जिस डाल पर बैठा है उसे ही काटने में लगा है।कम से कम हाल ही में हुए पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव में तो यही दिखाई पड़ा कि कांग्रेस लोगो के दिलो में कमजोर नही है बल्कि कांग्रेस के कर्णधारों की अपनी कमजोरी है ,जो वे विरासत में मिली कांग्रेस की स्वर्णिम धरोहर को संभाल नही पा रहे है। कांग्रेस की विफलता ही आम आदमी पार्टी के लिए वैकल्पिक अवसर का आधार बना है।जिसने पहले दिल्ली में और अब पंजाब में आम आदमी पार्टी को बंपर जीत दिलाई। कांग्रेस के कर्णधारों को महलों से निकलकर आमजन के लिए सहज और सुलभ बनना होगा।घर के दरवाजे खुले रखने होंगे,बिलकुल पंडित नेहरू व इंदिरा गांधी की तरह।साथ ही चापलूस नेताओ से मुक्ति और जमीनी नेताओ से नजदीकी बढ़ानी होगी। तभी कांग्रेस मरने से बच सकती है। जिस कांग्रेस का गठन सन 1885 में एलन ऑक्टेवियन ह्यूम द्वारा किया गया। जिन्होंने सन 1857 की गदर के समय वह इटावा के कलक्टर रहते हुए खुद ब्रटिश सरकार के खिलाफ आवाज़ उठाई और सन 1882 में

पद से अवकाश ले लिया और कांग्रेस यूनियन का गठन किया। शुरुआती वर्षों में कांग्रेस पार्टी ने ब्रिटिश सरकार के साथ मिल कर भारत की समस्याओं को दूर करने की कोशिश की और इसने प्रांतीय विधायिकाओं में हिस्सा भी लिया। लेकिन सन 1905 में बंगाल के विभाजन के बाद पार्टी का रुख़ कड़ा हुआ और अंग्रेज़ी हुकूमत के ख़िलाफ़ आंदोलन शुरु हए। इसी बीच महात्मा गाँधी भारत लौटे और उन्होंने ख़िलाफ़त आंदोलन शुरु किया। शुरु में बापू ही कांग्रेस के मुख्य विचारक रहे। इसको लेकर कांग्रेस में अंदरुनी मतभेद गहराए। चित्तरंजन दास, एनी बेसेंट, मोतीलाल नेहरू जैसे नेताओं ने अलग स्वराज पार्टी बना ली। साल 1929 में ऐतिहासिक लाहौर सम्मेलन में जवाहर लाल नेहरू ने पूर्ण स्वराज का नारा दिया। पहले विश्व युद्ध के बाद पार्टी में

महात्मा गाँधी की भूमिका बढ़ी, हालाँकि वो आधिकारिक तौर पर इसके अध्यक्ष नहीं बने, लेकिन कहा जाता है कि सुभाष चंद्र बोस को कांग्रेस से निष्कासित करने में उनकी मुख्य भूमिका थी।स्वतंत्र भारत के इतिहास में कांग्रेस सबसे मज़बूत राजनीतिक ताकत के रूप में उभरी। महात्मा गाँधी की हत्या और सरदार पटेल के निधन के बाद जवाहरलाल नेहरु के करिश्माई नेतृत्व में पार्टी ने पहले संसदीय चुनावों में शानदार सफलता पाई और ये सिलसिला सन 1967 तक लगातार चलता रहा। पहले प्रधानमंत्री के तौर पर जवाहर लाल नेहरू ने धर्मनिरपेक्षता, आर्थिक समाजवाद और गुटनिरपेक्ष विदेश नीति को सरकार का मुख्य आधार बनाया जो कांग्रेस पार्टी की पहचान बनी। नेहरू की अगुआई में सन1952, सन1957 और सन1962 के लोकसभा चुनावों में कांग्रेस ने अकेले दम पर बहुमत हासिल करने में सफलता पाई। सन1964 में जवाहरलाल नेहरू के निधन के बाद लाल बहादुर शास्त्री के हाथों में कमान सौंप गई लेकिन उनकी भी सन 1966 में ताशकंद में रहस्यमय हालात में मौत हो गई। इसके बाद पार्टी की मुख्य कतार के नेताओं में इस बात को लेकर ज़ोरदार बहस हुई कि अध्यक्ष पद किसे सौंपा जाए। आख़िरकार पंडित नेहरु की बेटी इंदिरा गांधी के नाम पर सहमति बनी।देश की आजादी के संघर्ष से जुड़े सबसे मशहूर और जाने-माने लोग इसी कांग्रेस का हिस्सा थे। गांधी-नेहरू से लेकर सरदार पटेल और राजेंद्र प्रसाद तक आजादी की लड़ाई में आम हिंदुस्तानियों की नुमाइंदगी करने वाली पार्टी ने देश को एकता के सूत्र में बांधने की कोशिश की थी।एलेन ओक्टेवियन ह्यूम सन1857 के गदर के वक्त इटावा के कलेक्टर थे। ह्यूम ने खुद ब्रटिश सरकार के खिलाफ आवाज उठाई और 1882 में पद से अवकाश लेकर कांग्रेस यूनियन का गठन किया। उन्हीं की अगुआई में बॉम्बे में पार्टी की पहली बैठक हुई थी. व्योमेश चंद्र बनर्जी इसके पहले अध्यक्ष बने। शुरुआती वर्षों में कांग्रेस पार्टी ने ब्रिटिश सरकार के साथ मिलकर भारत की समस्याओं को दूर करने की कोशिश की और इसने प्रांतीय विधायिकाओं में हिस्सा भी लिया लेकिन 1905 में बंगाल के विभाजन के बाद पार्टी का रुख कड़ा हुआ और अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ आंदोलन शुरू हुए। दादाभाई नौरोजी और बदरुद्दीन तैयबजी जैसे नेता कांग्रेस के साथ आ गए थे।आजादी के बाद सन1952 में देश के पहले चुनाव में कांग्रेस सत्ता में आई। सन 1977 तक देश पर केवल कांग्रेस का शासन था। लेकिन सन 1977 में हुए चुनाव में जनता पार्टी ने कांग्रेस से सत्ता की कुर्सी छीन ली थी। हालांकि तीन साल के अंदर ही सन 1980 में कांग्रेस वापस गद्दी पर काबिज हो गई। सन 1989 में कांग्रेस को फिर हार का सामना करना पड़ा। दादा भाई नौरोजी 1886 और 1893 में कांग्रेस के अध्यक्ष रहे। सन 1887 में बदरुद्दीन तैयबजी तो सन 1888 में जॉर्ज यूल कांग्रेस के अध्यक्ष बने थे। सन1889 से सन1899 के बीच विलियम वेडरबर्न, फिरोज़शाह मेहता, आनंदचार्लू, अल्फ्रेड वेब, राष्ट्रगुरु सुरेंद्रनाथ बनर्जी, आगा खान के अनुयायी रहमतुल्लाह सयानी, स्वराज का विचार देने वाले वकील सी शंकरन नायर, बैरिस्टर आनंदमोहन बोस और सिविल अधिकारी रोमेशचंद्र दत्त कांग्रेस अध्यक्ष रहे।इसके बाद हिंदू समाज सुधारक सर एनजी चंदावरकर, कांग्रेस के संस्थापकों में शुमार दिनशॉ एडुलजी वाचा, बैरिस्टर लालमोहन घोष, सिविल अधिकारी एचजेएस कॉटन, गरम दल व नरम दल में पार्टी के टूटने के वक्त गोपाल कृष्ण गोखले, वकील रासबिहारी घोष, शिक्षाविद मदनमोहन मालवीय, बीएन दार, सुधारक राव बहादुर रघुनाथ नरसिम्हा मुधोलकर, नवाब सैयद मोहम्मद बहादुर, भूपेंद्र नाथ बोस, ब्रिटेन के हाउस ऑफ लॉर्ड्स में पहले भारतीय सदस्य बने एसपी सिन्हा, एसी मजूमदार, पहली महिला कांग्रेस अध्यक्ष एनी बेसेंट, सैयद हसन इमाम और नेहरू परिवार के मोतीलाल नेहरू सन 1900 से सन 1919 के बीच कांग्रेस अध्यक्ष रहे।सन 1915 में अफ्रीका से लौटकर भारत आए मोहनदास करमचंद गांधी का प्रभाव कांग्रेस की विचारधारा व आंदोलन तय करने में सन1920 के आसपास से साफ दिखना शुरू हो गया था।जो गांधी के जीवन के बाद तक भी बना हुआ है। सन1920 से भारत की आज़ादी अर्थात सन 1947 के बीच के युग में कांग्रेस अध्यक्ष पंजाब केसरी लाला लाजपत राय थे, जिन्होंने सन1920 के कलकत्ता अधिवेशन की अध्यक्षता की।

निजता के अधिकार पर नया खतरा

अजीत द्विवेदी

क्रिमिनल प्रोसिजर (आईडेंटिफिकेशन) बिल, 2022 संसद के दोनों सदनों से पास हो गया है और इसका कानून बन कर लागू होना महज वक्त की बात है। यह नया कानून 102 साल पुराने आइडेंटिफिकेशन ऑफ प्रिजनर एक्ट 1920 की जगह लेगा। नया कानून पुलिस के हाथ में असीमित अधिकार देता है और निजता के अधिकार पर नए खतरे पैदा करता है। कायदे से जो कानून 102 साल पुराने कानून को बदलने के लिए लाया जा रहा था उस पर विस्तार से चर्चा होनी चाहिए थी और सहमति बनानी चाहिए थी। लेकिन ऐसा लग रहा है कि यह सरकार किसी भी कानून के ऊपर संसद में सहमति बनाने को अपना अपमान मानती है। अन्यथा ऐसी क्या जल्दी थी, जो सरकार ने आनन-फानन में बिल पेश करके उसे पास कराया? बिल को संसदीय समिति में भेजने की मांग मान ली जाती तो उससे क्या बिगड़ रहा था? जो कानून 102 साल से चल रहा था वह तीन-चार महीने और चल सकता था। उसे 10 दिन में नहीं बदला जाता तो कोई आफत नहीं आ रही थी। लेकिन अपनी धमक और विपक्ष को उसकी हैसियत दिखाने के लिए बिल 10 दिन में पास कराया गया।

यह कानून संविधान की मूल भावना के विरूद्ध है, सुप्रीम कोर्ट के फैसले का उल्लंघन करता है और न्याय के बुनियादी सिद्धातों के खिलाफ है। न्याय का बुनियादी सिद्धांत यह है कि जब तक कोई दोषी साबित नहीं होता तब तक उसे बेकसूर माना जाता है। फिर किसी बेकसूर आदमी की उसकी मर्जी के बगैर बायोमेट्रिक पहचान हासिल करने का अधिकार पुलिस को कैसे दिया जा सकता है? कोई भी सरकार संदिग्ध या आरोपी और दोषी का फर्क कैसे खत्म कर सकती है? पुलिस अगर संदेह के आधार पर किसी को हिरासत में लेती है तो उसकी बायोमेट्रिक पहचान लेने की इजाजत पुलिस को नहीं दी जा सकती।

विभिन्न राजनीतिक दलों के नेता आए दिन धरना-प्रदर्शन करते हैं और धारा 144 का उल्लंघन करते हैं, जिसके आरोप में पुलिस उनको हिरासत में लेती है। क्या पुलिस हिरासत में लिए गए सभी नेताओं और कार्यकर्ताओं की उंगलियों और पैरों के निशान लेगी, उनकी लंबाई मापेगी और वजन करेगी, उनका ब्लड ग्रुप दर्ज करेगी, उनकी आंखों की पुतलियों को स्कैन करेगी और उनके डीएनए का सैंपल लेगी, उनका पोलिग्राफ टेस्ट करेगी और ब्रेन मैपिंग करेगी? नया कानून लागू होने के बाद पुलिस सिर्फ जेल में बंद विचाराधीन कैदियों या अपराधियों का नहीं, बल्कि संदेह के आधार पर हिरासत में लिए गए किसी भी व्यक्ति का ऐसा डाटा हासिल कर सकेगी।

हैरानी की बात है कि किसी भी व्यक्ति की सहमति के बगैर इस तरह का डाटा हासिल करने को सुप्रीम कोर्ट ने अवैध ठहराया हुआ है। सेल्वी बनाम कर्नाटक सरकार के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने 2010 में इस मसले पर बहुत विस्तार से फैसला सुनाया है। सर्वोच्च अदालत ने अपने फैसले में नार्को एनालिसिस, पोलिग्राफ टेस्ट और ब्रेन मैपिंग को लेकर कहा था कि किसी भी व्यक्ति की बिना सहमति के इस तरह की तकनीक का इस्तेमाल उसकी निजता का उल्लंघन है। अदालत ने यह भी कहा है कि चाहे आपराधिक मामले की जांच हो या कोई और मामला हो, इन तकनीकों का इस्तेमाल किसी भी व्यक्ति पर नहीं किया जा सकता है। बहस के लिए कहा जा सकता है कि नए कानूनों में इन तकनीकों के इस्तेमाल की बात नहीं कही गई है, लेकिन यह भी सही है कि इन तकनीकों का इस्तेमाल नहीं किया जाएगा, यह भी नहीं कहा गया है। इस कानून की धारा दो (1) (बी) में साफ कहा गया है कि पुलिस और जेल अधिकारी माप और जैविक सैंपल आदि ले सकेंगे। इसका मतलब है कि सब कुछ पुलिस की मर्जी पर छोड़ा गया है कि वह जो भी बायोमेट्रिक डाटा हासिल करना चाहे वह हासिल कर सकती है।

सरकार कह रही है कि उसका इरादा कानून का दुरुपयोग करने का नहीं है। सोचें, कौन सी सरकार किस कानून के बारे में कहती है कि दुरुपयोग करने के लिए कानून बनाया जा रहा है? सारे कानून जनता की भलाई के लिए ही बनाए जाते हैं। लेकिन सवाल है कि ऐसा कानून क्यों बनाना, जिसके अंदर उसके दुरुपयोग की पूरी संभावना मौजूद हो? सरकार और ससंद दोनों की जिम्मेदारी होती है कि कानून के हर पहलू पर गंभीरता से विचार हो और उसके दुरुपयोग की संभावना को यथासंभव खत्म किया जाए। लेकिन इस कानून के मामले में यह भी नहीं किया गया।

सरकार ने 28 मार्च को बिल पेश किया, जिसे चार अप्रैल को लोकसभा में और छह अप्रैल को राज्यसभा से पास करा लिया गया।

श्रीमती अंजली जैन की कलम से...

अगर पुरूषार्थ नहीं किया तो अर्थहीन,
व्याख्याहीन,
व्याकरणहीन,
छंदहीन, अलंकारहीन
जीवन है इस धरती
पर हम सबका।

-अंजली जैन
7024460938

अपनी माटी के ढंग-रंग में हर चित्र रमे

यामिनी रॉय, विख्यात चित्रकार

हम पर उन दिनों पश्चिम हावी था। पश्चिम से आए विद्वान ही बताते थे कि पूरब को कैसे पश्चिम की ओर ढलना-ढालना है। तब जो कला पढ़ाई जाती थी, उस पर भी पश्चिमी रंग-ढंग सवार था। उन चित्रकार बाबू ने भी पश्चिमी धूप-छांव में ही अपनी कला को पकाया था। खूब चित्र बनाए, खूब पोर्ट्रेट गढ़े, लेकिन कहीं कुछ कमी सी हमेशा अखरती थी। लगता था, यह जो मैं रच रहा हूं, यह मेरा अपना नहीं है, किसी और का है, कहीं और का है। आसपास चित्रकारों का बड़ा समूह था, जो पश्चिमी चाशनी में अपने चित्र पगाकर मजे ले रहा था। लेकिन इन युवा चित्रकार बाबू को अपने काम से संतोष नहीं था। अपनी कला की सही ठौर खोजते-खंगालते उम्र का 38वां साल आ पहुंचा था।

खैर, एक दिन यह चित्रकार बाबू कोलकाता के प्रसिद्ध कालीघाट मंदिर गए। उस मंदिर के आसपास मानो पूरा बंगाल अपनी पूरी कला, संस्कृति के साथ बसता था। जब वह दर्शन कर लौटने लगे, तो उनकी निगाह वहां बिक रहे चित्रों पर गई। शुद्ध भारतीय चित्र थे, पश्चिमी छाया से दूर, अपने पूरे भाव और अभिव्यक्ति के साथ। निगाह पड़ी, तो मानो उन चित्रों ने चित्रकार बाबू को अपने पास बुलाया कि हमें देखो, हम क्या हैं, हमें कौन बनाता है, हमें कौन देखता है और हमें कौन अपने साथ घर ले जाकर अपनी दीवारों पर सजाता है। चित्रों पर प्यार उमड़ आया। चित्र तो ये हैं, अपने लोगों, अपने चरित्रों के चित्र, अपने लिए उपयोगी और अपनी संस्कृति को समर्पित चित्र। ये चित्र इसी मंदिर के पास बनते-बसते हैं। इन चित्रों को पटुआ लोग बनाते हैं। यह नक्काशों की खास जाति है, जिसने दशकों से कालीघाट मंदिर के आसपास रहते देवी-देवताओं के चित्र बनाए हैं। इन नक्काशों में मुस्लिम भी बड़ी संख्या में हैं, जिनके रीति-रिवाज हिन्दुओं से हैं। इस कुशल, लेकिन अनपढ़ समाज पर रामायण का गहरा असर है। यह समुदाय न केवल गांव-गांव घूमकर चित्र बेचता है, बल्कि चित्र से जुड़े कथा-गीत भी बहुत भाव से सुनाता है। यह भी एक रोचक तथ्य है कि गोस्वामी तुलसीदास के रामचरितमानस से भी सौ साल पहले बांग्ला कवि कृत्तिवास ओझा ने अपनी भाषा में रामायण की रचना की थी। भारतीय कला कितनी पुरानी है, इसकी जड़ें कितनी गहरी हैं, किन गलियों-किन जातियों, युद्धों और त्रासदियों से गुजरती हुई लोक कला को कालीघाट मंदिर क्षेत्र में शरण मिली है, क्या यह कला यूं ही मंदिरों के सामने बिछकर-बिककर रह जाएगी।

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करे

9827806026, 7869620239

श्रीकंचनपथ

छत्तीसगढ़

इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com
WWW.ONLYTDS.COM

खास खबर

कक्षा पहली से 8वीं तक के बच्चों का 15 अप्रैल के बाद स्कूल जाना ऐच्छिक होगा

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा वर्तमान शैक्षणिक सत्र में 31 मार्च के स्थान पर 30 अप्रैल तक वृद्धि की गई है। आगामी शैक्षणिक सत्र 01 मई से 15 दिन के अतिरिक्त शैक्षणिक कार्य के लिए प्रारंभ किए जाने के निर्देश दिए गए हैं। प्रदेश में संचालित सभी शासकीय स्कूों में कक्षा पहली से 8वीं तक के विद्यार्थियों की उपस्थिति 15 अप्रैल के बाद अनिवार्य नहीं होगी, पालक चाहें तो अपने पाल्यों को अध्यापन के लिए विद्यालय भेज सकते हैं, परन्तु शिक्षकों की उपस्थिति अनिवार्य होगी। स्कूल संचालन और बच्चों तथा शिक्षकों की उपस्थिति के संबंध में लोक शिक्षण संचालनालय द्वारा सभी संभागीय संयुक्त संचालक शिक्षा और जिला शिक्षा अधिकारियों को निर्देश जारी कर दिया गया है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुपालन में छत्तीसगढ़ राज्य में पहले से ही यह नीति है कि कक्षा पहली से 8वीं तक के बच्चों को परीक्षा के आधार पर पिछली कक्षा में नहीं रोका जाता है। कक्षा पहली से 8वीं तक के समस्त बच्चों को सामान्य रूप से वर्तमान शिक्षा सत्र में अगले कक्षा में प्रवेश दिया जाता है। प्रदेश के सभी विद्यालयों में बच्चों की अकादमिक उपलब्धियों का सतत् मूल्यांकन किया जाता है। इसके आधार सभी बच्चों को आवश्यक शिक्षण देने की व्यवस्था की जाती है। इस वर्ष भी राज्य में कक्षा पहली से 8वीं तक के बच्चों के लिए यह नीति लागू रहेगी।

15 वर्ष से अधिक आयु के टीकाकरण में प्रदेश का औसत राष्ट्रीय औसत से ज्यादा

रायपुर। कोरोना संक्रमण से बचाव के लिए प्रदेश में लोगों का तेजी से टीकाकरण किया जा रहा है। कोविड टीकाकरण की राज्य नोडल अधिकारी डॉ. प्रियंका शुक्ला ने बताया कि कोरोना संक्रमण से बचाव के लिए प्रदेश में 15 वर्ष से अधिक आयु के 99 प्रतिशत लोगों को कोरोना वैक्सीन का प्रथम डोज़ और 83 प्रतिशत लोगों को कोरोना वैक्सीन के दोनों टीके लगाए जा चुके हैं। उन्होंने बताया कि प्रदेश में 15 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के टीकाकरण का औसत राष्ट्रीय औसत से ज्यादा है। राष्ट्रीय स्तर पर इसका औसत प्रथम एवं द्वितीय डोज़ के लिए क्रमश: 96 प्रतिशत और 83 प्रतिशत है। राज्य में 18 वर्ष से अधिक के करीब शत-प्रतिशत और 15 से 18 वर्ष की 69 प्रतिशत जनसंख्या को पहला टीका लग चुका है। यहां 18 वर्ष से अधिक के दो करोड़ 15 लाख 44 हजार 268 नागरिकों और 15 से 18 वर्ष के 11 लाख 38 हजार 967 किशोरों को कोरोना वैक्सीन का पहला टीका लगाया जा चुका है। प्रदेश में एक करोड़ 76 लाख 74 हजार 281 नागरिकों को कोरोना से बचाव का दोनों टीका लगाया जा चुका है। दोनों आयु वर्गों में पहली और दूसरी तथा प्रिकॉशन डोज को मिलाकर प्रदेश भर में अब तक (8 अप्रैल तक) कुल तीन करोड़ 96 लाख 64 हजार 568 टीके लगाए गए हैं।

रायपुर को पालीथिनमुक्त बनाने अनोखी पहल: एक किलो पालीथिन लाइए, एक प्लेट नाश्ता खाइए

रायपुर। राजधानी को स्वच्छता रैंकिंग में टाप वन में लाने के लिए कई तरह की पहल हो रही है। इसी कड़ी में नगर निगम ने शास्त्री बाजार में फूड बैंक खोल दिया है। यहां एक किलो पालीथिन ले जाने पर आपको मुफ्त में एक प्लेट नाश्ता मिलेगा। नाश्ते में पोहा या समोसा में से कोई भी एक खाद्य पदार्थ दिया जाएगा। महापौर ढेबर ने फूड बैंक का शुभारंभ किया। इसका संचालन का जिम्मा जाह्नवी महिला स्वसहायता समूह को सौंपा गया है। इस अवसर पर महापौर ने कहा कि ऐसी व्यवस्था रायपुर में पहली बार लिया गया है। इससे जहां शहर पालीथिन मुक्त होगा, वहीं पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी कारगर होगा। शुभारंभ अवसर पर सामाजिक कार्यकर्ता नवीन चंद्राकर, जोन चार कमिश्नर विनय मिश्रा, सहायक अभियंता नागेश्वर रामटेके, उप अभियंता नवीन वर्मा, एनयूएलएम की सीईओ दीपा चंद्राकर, जाह्नवी महिला स्वसहायता समूह की अध्यक्ष रीना यादव, सचिव यशोदा यादव समेत अन्य लोग उपस्थित रहे। बता दें कि प्रदेश में सबसे पहले अंबिकापुर नगर निगम में इस तरह का फूड बैंक खोला गया।

400वें प्रकाश पर्व पर खालसाई शान के साथ निकाली गई कीर्तन यात्रा

रायपुर (ए)। सिख धर्म के नौवें गुरु तेगबहादुर साहिब का 400वां प्रकाश पर्व इस साल श्रद्धा उल्लास से मनाया जाएगा। प्रकाश पर्व से पहले राजधानी में शनिवार को खालसाई शान के साथ भव्य कीर्तन यात्रा निकाली गई। यात्रा में पंज प्यारे हाथों में तलवार थामे गुरु भक्ति और सेवा, सद्भावना का संदेश देते आगे चल रहे थे। फूलों से सुसज्जित वाहन पर गुरु ग्रंथ साहिब को विराजित किया गया। गुरु ग्रंथ साहिब के वाहन के आगे महिलाएं सड़क की सफाई करते चल रहीं थी। यात्रा मार्ग में जो बोले सो निहाल, सतश्री अकाल के जयकारे गूंजते रहे।

प्रदेशभर में भ्रमण करेगी संदेश यात्रा

कीर्तन संदेश यात्रा में महिलाएं सफेद रंग का सलवार सूट, केसरिया दुपट्टा एवं पुरुष सफेद कुर्ता, पायजामा, केसरिया पगड़ी धारणकर शामिल हुए। कीर्तन संदेश यात्रा तेलघानी नाका, अग्रसेन चौक, आमापारा, राजकुमार कालेज, आमानाका होकर टाटीबंध गुरुद्वारा पहुंची।

रविवार को सुबह आठ बजे यात्रा टाटीबंध से भिलाई, दुर्ग, राजनांदगांव, तुमडीबोड़ होकर डोंगरगढ़ तक जाएगी। यात्रा 10 को डोंगरगढ़, 11 को कवर्धा, 12 को बिलासपुर, 13 को कोरबा, 14 को मनेंद्रगढ़, 15 को अंबिकापुर, 16 को रायगढ़, 17 को खरियार रोड, 18 को धमतरी में विश्राम करेगी। 19 को रायपुर में समापन होगा।

दो दिवसीय कीर्तन साइंस कालेज में

छत्तीसगढ़ राज्य अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष महेंद्र सिंह छाबड़ा, स्टेशन रोड गुरुद्वारा के अध्यक्ष निरंजन सिंह खनूजा एवं कार्यकारी अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह छाबड़ा समेत अनेक पदाधिकारी यात्रा को व्यवस्थित करने में सहयोग दे रहे थे। 23 एवं 24 अप्रैल को साइंस कालेज मैदान में कीर्तन समागम होगा। इसमें 400 बच्चों द्वारा सामूहिक शब्द कीर्तन एवं 400 परिवारों द्वारा सहजपाठ का समापन किया जाएगा। 24 अप्रैल को रात्रि 10 बजे से सुबह चार बजे तक 400 मिनट रैन सवाई कीर्तन समागम होगा।

जगह - जगह बरसाए फूल

स्टेशन रोड गुरुद्वारा से शाम को कीर्तन यात्रा निकलकर टाटीबंध स्थित गुरुद्वारा पहुंची। अनेक संगठनों ने जगह-जगह पर फूल बरसाकर स्वागत किया। पंजाबी सनातन सभा के अध्यक्ष सुनील कुमार डोगर के नेतृत्व में विवेकानंद आश्रम के समीप गुरु ग्रंथ साहिब पर फूल माला अर्पित कर और पंज प्यारों को हार पहनाकर स्वागत किया गया। साथ ही श्रद्धालुओं को शर्बत पिलाकर सेवा की। बच्चों को चाकलेट, मिठाई का वितरण किया। इसमें महासचिव सतिंदर कोहली, जवाहर खन्ना, प्रदीप गुप्ता, डा एस एम कुमार, मनमोहन विग ने सेवा दी।

राज्य में मक्का की खेती को लेकर किसानों का बढ़ता रूझान

रबी सीजन में मक्के की खेती के रकबे में लगभग 11 गुना की वृद्धि

तीन सालों में रकबा 13 हजार से बढ़कर एक लाख 46 हजार हुआ

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के किसान हितैषी नीतियों के चलते राज्य में खेती-किसानी की स्थिति में तेजी से बदलाव दिखायी देने लगा है। राज्य में मक्के की अच्छी कीमत, समर्थन मूल्य पर खरीदी की बेहतर व्यवस्था, कोण्डागांव जिले में मक्का प्रसंस्करण केन्द्र के लिए डिमांड के चलते रबी सीजन में भी मक्के की खेती को लेकर किसानों का रूझान बढ़ा है।

बीते तीन सालों में राज्य में रबी सीजन में मक्के की खेती के रकबे में लगभग 11 गुना की वृद्धि हुई है और इसकी खेती का रकबा 13 हजार हेक्टेयर से बढ़कर एक लाख 46 हजार हेक्टेयर के करीब पहुंच गया है। चालू रबी सीजन में अब तक एक लाख 26 हजार हेक्टेयर से अधिक रकबे में मक्के की बोनी हो चुकी है, जो कि रबी सीजन 2020-21 में राज्य में 93 हजार हेक्टेयर में हुई मक्के की बोआई से लगभग 33 हजार हेक्टेयर अधिक है।

गौरतलब है कि छत्तीसगढ़ राज्य में वर्ष 2016-17 तथा वर्ष 2017-18 के रबी सीजन में औसत रूप से 12-13 हजार हेक्टेयर में मक्के की खेती होती थी। धीरे-धीरे किसानों का रूझान मक्के की खेती की ओर बढ़ा और इसका रकबा बीते रबी वर्ष 2020-21 में 93 हजार हेक्टेयर के पार हो गया था। रबी वर्ष 2021-22 में राज्य में एक लाख 46 हजार 130 हेक्टेयर में मक्का बोनी लक्ष्य के विरूद्ध मार्च माह के अंत तक एक लाख 26 हजार हेक्टेयर से अधिक रकबे में बोनी पूरी कर ली गई है।

राज्य के बस्तर संभाग में खेती के रकबे में लगभग आठ गुना से अधिक की वृद्धि हुई है। बस्तर संभाग के जिलों में रबी वर्ष 2017-18 में औसत रूप से 10 हजार हेक्टेयर में मक्के की बोनी होती थी, अब यह रकबा बढ़कर 78 हजार के पार पहुंच गया है। कोण्डागांव जिले में सर्वाधिक 45 हजार 750 हेक्टेयर में मक्के की बोनी हुई है। कांकेर जिले में चालू रबी सीजन में 28 हजार हेक्टेयर बोआई के लक्ष्य के विरूद्ध अब तक 21 हजार 690 हेक्टेयर में मक्का बोया जा चुका है। चालू रबी सीजन में रायपुर संभाग के गरियाबंद जिले में सर्वाधिक 11 हजार हेक्टेयर में बोनी के लक्ष्य के विरूद्ध अब तक लगभग 8 हजार हेक्टेयर में मक्का की बोनी हो गई है।

दुर्ग संभाग अंतर्गत बालोद, बेमेतरा, दुर्ग, राजनांदगांव और कबीरधाम जिलों में इस साल 8780 हेक्टेयर के लक्ष्य के विरूद्ध 9000 हेक्टेयर से अधिक में बोनी मक्के की खेती की ओर वनांचल के साथ-साथ मैदानी ईलाकों के किसानों के बढ़ते रूझान का प्रतीक है। यहां यह बताना जरूरी है कि दुर्ग संभाग के उक्त पांचों जिलों में रबी सीजन 2020-21 में मात्र 3590 हेक्टेयर में ही मक्के की खेती हुई थी। इस साल 9170 हेक्टेयर में मक्के की बोनी होना मक्के के रकबे में ढाई गुना से अधिक की वृद्धि दर्शाता है। बिलासपुर संभाग में इस साल 19620 हेक्टेयर में मक्का बोआई के लक्ष्य के विरूद्ध अब तक 13 हजार से अधिक रकबे में बोआई हो चुकी है, जो बीते रबी सीजन में 12660 हेक्टेयर में मक्का बोनी से अधिक है। सरगुजा संभाग के जिलों में 10690 हेक्टेयर के विरूद्ध अब तक 5600 हेक्टेयर तथा बस्तर संभाग के जिलों में 85800 हेक्टेयर के विरूद्ध 78620 हेक्टेयर में मक्के की बोनी हो चुकी है।

आंखों की देखभाल जरूरी, समय पूर्व जांच से दूर कर सकते हैं बीमारियां

रायपुर (ए)। बढ़ती उम्र के साथ आंख से सम्बंधित बीमारियां सामने आने लगती है। वहीं कम उम्र में भी परेशानी सामने आती है। नेत्र विशेषज्ञ डा. संतोष सिंह पटेल बताते हैं अज्ञानता और सही इलाज ना मिलने के कारण, लोगों में तरह-तरह की भ्रांतियां विकसित हो जाती है। डेवलपमेंट कैटरैक्ट के रोगी को दिनचर्या के काम करने में भी परेशानी आने लगती है उसे दूसरे पर निर्भर हो जाना पड़ता है। लेकिन इसका इलाज है यदि आंख में किसी भी प्रकार की समस्या महसूस हो तुरंत चिकित्सक से संपर्क करें।

छत्तीसगढ़ राज्य में अब आंखों के लिए भी राज्य स्तरीय नेत्र चिकित्सालय माना में बनाया गया है । चिकित्सक के अनुसार 30 वर्ष से ऊपर की आयु वर्ग के लोगों को साल में दो बार नेत्र विशेषज्ञ से नेत्र की जांच करानी चाहिए। बच्चों को मोबाइल, टीवी से दूर रखना, जरूरत पर ही उपयोग करने दें। आंखों को दिन में कम से कम पांच बार धोना चाहिए। साथ ही नियमित रूप से जल का सेवन करना और आंख की सुरक्षा के लिए बिना जानकारी के कोई भी दवा या चश्मे का प्रयोग नहीं करना चाहिए।

आंखों की समस्या को लेकर बताया कि ग्राम दोंदेकला निवासी उधव राम यादव और दादु राम यादव (दोनों 35 वर्षीय) लगभग 12 वर्ष की आयु से डेवलपमेंट कैटरेक्ट (उम्र के साथ बढ़ने वाला मोतियाबिंद) से परेशान थे। दोनों नजदीक की चीज भी देखने में असमर्थ होने लगे थ। स्थिति धीरे-धीरे बिगड़ती चली गई और कहीं पर भी अकेला जाना संभव ही नहीं रहा। इसी बीच स्वास्थ्य विभाग द्वारा दोंदेकला में स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया जिसमें इनकी समस्या को समझा गया और नियमित उपचार से जोड़ा गया। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) दोंदेकला के नेत्र सहायक अधिकारी संजय पाटिल बताते है, दोनों मरीजों के आंख में डेवलपमेंट कैटरेक्ट गंभीर स्तर का पाया गया टीम द्वारा उनको डा. भीमराव अंबेडकर स्मृति चिकित्सालय रायपुर पहुंचाया गया। जहां मोतियाबिंद का सफल आपरेशन किया गया।

अष्टमी हवन में गूंजे दुर्गा सप्तशती के मंत्र कहीं दिन में तो कहीं आधी रात को पूर्णाहुति

रायपुर (ए)। देवी मंदिरों के हवन कुंड में श्रद्धालुओं ने विधिवत मंत्रोच्चार के साथ पूर्णाहुति दी। श्रद्धालुओं ने हवन कुंड में आहुति देकर परिवार की सुख, समृद्धि की कामना की। सुबह ब्रह्म मुहूर्त में चैत्र नवरात्र के आठवें दिन मां दुर्गा के आठवें स्वरूप महागौरी का विशेष श्रृंगार कर पूजा-अर्चना की गई।

सुबह 11 बजे से घर-घर में अष्टमी तिथि पर नौ कन्याओं और एक बटुक का पूजन कर भोजन कराने का सिलसिला प्रारंभ हुआ जो दोपहर तक चलता रहा। नवमीं तिथि पर रविवार को भी कन्या पूजन का सिलसिला जारी रहेगा।

एक से नौ साल तक की कन्याओं का पूजन

सनातन संस्कृति में कन्याओं को देवी स्वरूपा माना गया है। इसी मान्यता के चलते, एक साल से लेकर नौ साल तक की बालिका को देवी मानकर पूजने की परंपरा घर-घर में निभाई गई। कई परिवार के लोग कन्याओं को ढूंढते रहे। एक ही मोहल्ले में अनेक आयोजन होने और कन्याओं की कमी होने से नौ कन्याओं के ग्रुप को कई परिवारों ने पूजा।

मंत्रों के साथ गूंजे स्वाहा

दोपहर बाद आकाशवाणी तिराहा स्थित काली मंदिर और जेल रोड स्थित चामुंडा देवी मंदिर में हवन प्रारंभ हुआ। पंडितों ने दुर्गा सप्तशती के श्लोक, या देवी सर्वभूतेषु बुद्धिरुपेण संस्थिता, नमस्तस्यै, नमस्तस्यै, नमस्तस्यै नमो: नम:, आदि श्लोकों का उच्चारण कर हवन संपन्न कराया। प्रत्येक मंत्र के बाद, स्वाहा की गूंज के साथ भक्तों ने आहुति दी।

कुछ मंदिरों में दिन में हवन संपन्न हुआ। वहीं, प्राचीन पुरानी बस्ती स्थित महामाया मंदिर, ब्राह्मणपारा के कंकाली मंदिर, अमीनपारा के शीतला मंदिर, कुशालपुर के दंतेश्वरी मंदिर, सत्ती बाजार के अंबा देवी समेत अन्य मंदिरों में आधी रात बाद अष्टमी-नवमीं की युति में पूर्णाहुति देने श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी रही।

माता शबरी की नगरी का बदला स्वरूप, पर्यटकों को मिलेगी विश्वस्तरीय सुविधाएं

सौंदर्यीकरण, उन्नयन, व्यू प्वाइंट के साथ ही स्थानीय रोजगार के बढ़े अवसर

नई सुविधाओं के साथ देश विदेश के पर्यटकों के स्वागत के लिए तैयार है शिवरी नारायण

श्रीकंचनपथ न्यूज

जांजगीर चांपा। महानदी, शिवनाथ और जोंक नदी के संगम तट पर बसे शिवरीनारायण नगर में 11 शताब्दी में हैह्य वंश के राजाओं के मंदिर बनाया गया था। यहां पर छठवीं शताब्दी से लेकर 11वीं शताब्दी तक की प्रतिमाएं स्थापित हैं। शिवरीनारायण का महत्व रामायणकालीन होने की वजह से यह नगर श्रद्धालुओं के लिए भी ऐतिहासिक और धार्मिक महत्व रखता है। प्रतिवर्ष यहां लाखों श्रद्धालु आते हैं और खुद को भगवान राम और माता शबरी के चरमों में न्यौछावर कर देते हैं। श्रद्धालुओं की अपार आस्था को देखते हुए राज्य सरकार ने शिवरीनारायण का विकास करने का निर्णय लिया जो अब पूरा होने जा रहा है।

शिवरीनारायण मंदिर परिसर का उन्नयन एवं सौंदर्यीकरण

लगभग 11वीं शताब्दी का ये मंदिर भगवान राम और लक्ष्मण की आस्था का बड़ा केंद्र है। इसीलिए इसको बड़ा मंदिर भी कहते हैं। राज्य नवरात्रि और रामनवमीं जैसे त्यौहारों में श्रद्धालुओं को किसी तरह की तकलीफना हो इसके लिए मंदिर परिसर का उन्नयन किया गया है। मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं के आराम करने के लिए भवन निर्माण किया गया है। इसके साथ ही नव निर्मित भवनों को भगवान राम की आस्था के अनुसार रंग रोगन किया गया है। मंदिर के विशाल द्वार का जीर्णोद्धार किया गया है। श्रद्धालुओं को दीप प्रज्ज्वलित करने में परेशानी ना हो इसके लिए मंदिर परिसर के भीतर ही विशाल दीप स्तंभ का निर्माण किया गया है। ये सारे निर्माण और उन्नयन कार्य मुख्य मंदिर के प्रवेश द्वार के पूर्व किया गया है ताकि श्रद्धालु सुगमता पूर्वत भगवान राम के नारायणी अवतार का दर्शन कर सकें।

रामायण इंटरप्रिटेशन सेन्टर एवं पर्यटक सूचना केन्द्र

शिवरीनारायण नगर का अस्तित्व हर युग में रहा है। यह नगर मतंग ऋषि का गुरूकुल आश्रम और माता शबरी की साधना स्थली भी रही है। यह महानदी, शिवनाथ और जोंक नदी के त्रिधारा संगम के तट पर स्थित प्राचीन नगर है। शिवरीनारायण प्राकृतिक छटा से परिपूर्ण नगर है, जो छत्तीसगढ़ के जगन्नाथपुरी धाम के नाम से विख्यात है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार प्रभु राम ने शबरी के जूठे बेर यहीं खाये थे और उन्हें मोक्ष प्रदान किया था। इन सारी बातों को जीवंत रूप देने के लिए मंदिर परिसर के बाहर रामायण इंटरप्रिटेशन सेंटर का निर्माण किया गया है। इससे मंदिर दर्शन करने आए श्रद्धालुओं के मानस पर शिवरीनारायण की अमिट छाप पड़ेगी। इंटरप्रिटेशन सेंटर के बाद स्थित दो वृक्षों के बीच में भगवान राम को जूठे बेर खिलाती हुयी माता शबरी की प्रतिमा स्थापित की गयी है जो श्रद्धालुओं के आकर्षण

का केंद्र बनने जा रही है। इसी जगह पर पर्यटकों के लिए सूचना केंद्र भी स्थापित किया जा रहा है जिससे श्रद्धालु शिवरीनारायण और आस-पास के पर्यटन क्षेत्रों की और जानकारी हासिल कर सकें।

नदी घाट का विकास एवं सौंदर्यीकरण, व्यू पाइंट

शिवरीनारायण में राम वन गमन पर्यटन परिपथ के अतर्गत पर्यटन सुविधाओं के विकास के लिए 39 करोड़ रूपए के कार्य होंगे। इसके तहत प्रथम चरण में 6 करोड़ के विकास कार्य पूर्ण किए गए हैं। महानदी, शिवनाथ और जोंक नदी के संगम पर स्थित शिवरीनारायण को पर्यटकों के लिए और आकर्षक बनाने के लिए यहां पर नदी घाट का विकास किया गया है, साथ ही घाट के सौंदर्यीकरण से यहां श्रद्धालुओं को अब ज्यादा सहूलियत मिलने जा रही है। श्रद्धा के साथ ही ये संगम तट पर्यटन के लिए भी जाना जाए इसके लिए घाट पर व्यू प्वाइंट का निर्माण किया गया है जहां से पर्यटकों को अद्भुत नजारों का दीदार होगा।

स्थानीय लोगों को रोजगार

शिवरीनारायण का महत्व सिर्फ छत्तीसगढ़ में ही नहीं बल्कि देश और विदेश में भी है। प्रतिवर्ष यहां पर श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ रही है। श्रद्धालुओं और पर्यटकों की सुविधाओं को बढ़ाते हुए यहां राज्य सरकार ने यहां पर मॉड्यूलर दुकानों का निर्माण कराया है। इन दुकानों को स्थानीय लोगों को आवंटित किया जाएगा जिससे स्थानीय स्तर पर रोजगार उपलब्ध हो और शिवरीनारायण के स्थानीय लोग आर्थिक सशक्तिकरण की ओर बढ़ सकें। बाहर से आने वाले पर्यटकों और श्रद्धालुओं को परेशानी ना हो इसके लिए मंदिर परिसर के पीछे विशाल पार्किंग एरिया एवं शौचालय का निर्माण किया गया है। राम वनगमन पर्यटन परिपथ में शामिल शिवरीनारायण नगर यूं तो सदियों से माता शबरी की जन्मस्थली के रूप में विख्यात है, किंतु अब इसके सौंदर्यीकरण और उन्नयन से इस नगर की उम्र और बढ़ चली है। इसके साथ ही ये स्थान देश विदेश से आने वाले पर्यटकों के लिए अपनी बाहें फैलाकर पूरी सुविधाओं के साथ उनका इंतजार कर रहा है।

राम वन गमन पर्यटन परिपथ कोरिया से सुकमा तक हर कदम में होंगे प्रभु राम के दर्शन

छत्तीसगढ़ प्रभु राम के ननिहाल के रूप में सम्पूर्ण विश्व में अपनी अलग पहचान रखता है। वनवास काल में प्रभु राम ने यहाँ लम्बा वक्त बिताया। यहां के ऋषियों के आश्रम, प्रकृति के मध्य वनवास काटा, इसलिए यहाँ की जनश्रुतियों, लोककथाओं और आम जनजीवन में राम रचे-बसे हैं।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने जनमान्यताओं का सम्मान करते हुए और भगवान प्रभु राम के ननिहाल प्राचीन दक्षिण कौशल और वर्तमान छत्तीसगढ़ में राम पथ वनगमन पर्यटन परिपथ की परियोजना तैयार की। इस परियोजना में राम वनगमन मार्ग से जुड़े धार्मिक और ऐतिहासिक महत्व के स्थलों को सजाने, संवारने और इन्हें पर्यटन की दृष्टि से सुविधा सम्पन्न बनाने का काम हाथ में लिया गया है। ऐसी मान्यता है कि प्रभु श्रीराम के साथ माता सीता और लक्ष्मण ने वनवास काल 14 वर्षों में 10 साल छत्तीसगढ़ में बिताये थे। जिन जगहों पर प्रभु राम आए थे ऐसे 75 स्थानों को चिन्हांकित कर धार्मिक पर्यटन के अनुरूप विकसित करने का लक्ष्य रखा गया है।

शिवनाथ, जोंक और महानदी के त्रिवेणी संगम में स्थित शिवरीनारायण के मंदिर परिसर एवं आस-पास के क्षेत्रों को विकसित करने एवं पर्यटकों की सुविधाओं के लिए 39 करोड़ रूपए की कार्य योजना तैयार की गई है। जिसके प्रथम चरण में 6 करोड़ रूपए के कार्य का लोकार्पण 10 अप्रैल को रामनवमी के दिन मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल करने जा रहे हैं। इनमें शिवरीनारायण के मंदिर परिसर का उन्नयन एवं सौंदर्यीकरण, दीप स्तंभ, रामायण इंटरप्रिटेशन सेन्टर एवं पर्यटक सूचना केन्द्र, मंदिर मार्ग पर भव्य प्रवेश द्वार, नदी घाट का विकास एवं सौंदर्यीकरण, घाट में प्रभु राम-लक्ष्मण और शबरी माता की प्रतिमा का निर्माण किया गया है। इसी प्रकार पचरी घाट में व्यू पाइंट कियोस्क, लैण्ड स्केपिंग कार्य, बाउंड्रीवाल, मॉड्यूलर शॉप, विशाल पार्किंग एरिया और सार्वजनिक शौचालय का निर्माण शामिल है।

राम वन गमन पर्यटन परिपथ के अंतर्गत कोरिया से सुकमा तक के धार्मिक स्थलों को जोड़ने के लिए 2260 किमी की लंबाई तक सड़क निर्माण भी प्रस्तावित है। इस मार्ग में छायादार और फलदार पौधों का रोपण वन विभाग द्वारा किया जा रहा है। इस परियोजना के तहत चिन्हांकित 75 स्थानों में से प्रथम चरण में चिन्हांकित 9 स्थलों को विकसित करने की परियोजना तैयार की गई है। इस पर्यटन परिपथ के पूर्ण होने से देश के विभिन्न हिस्सों से न केवल पर्यटक छत्तीसगढ़ आएगें, साथ ही छत्तीसगढ़ के विभिन्न हिस्सों से पर्यटकों का यहां आना-जाना लगा रहेगा। पर्यटन को बढ़ावा मिलने से स्थानीय लोगों को रोजगार मिलेगा। वहीं रोजगार के नए अवसरों में भी वृद्धि होगी।

राम वन गमन पर्यटन परिपथ के तहत प्रथम चरण में चिन्हांकित स्थलों में सीतामढ़ी-हरचौका (कोरिया), रामगढ़ (सरगुजा), शिवरीनारायण (जांजगीर-चांपा), तुरतुरिया (बलौदाबाजार), चंदखुरी (रायपुर), राजिम (गरियाबंद), सिहावा सप्तऋषि आश्रम (धमतरी), जगदलपुर (बस्तर) और रामाराम (सुकमा) 138 करोड़ रुपए की लागत से इन क्षेत्रों में पर्यटन के विकास का कार्य होगा। इन स्थानों में पर्यटन की दृष्टि से सौंदर्यीकरण एवं अन्य साज सज्जा के कार्य किए जाएंगे।

प्रभु राम के छत्तीसगढ़ में प्रवेश कोरिया जिले के सीतामढ़ी-हरचौका से हुआ था। यहां विभिन्न पर्यटक सुविधा के विकास के लिए तीन करोड़ 84 लाख दो हजार रूपए स्वीकृत किए हैं। कोरिया जिले के सीतामढ़ी के पास घाट पर कियोस्क निर्माण कार्य के लिए 66 लाख 21 हजार रूपए, सीतामढ़ी के पास बैठने की जगह और घाट के आस-पास पैदल मार्ग के साथ गजीबो निर्माण कार्य के एक करोड़ 42 लाख सात हजार रूपए एवं घाट विकास कार्य हेतु एक करोड़ 75 लाख 74 हजार रूपए स्वीकृत किए गए हैं।

सुकमा जिले के रामाराम छत्तीसगढ़ में प्रभुराम के वनवास काल का अंतिम पड़ाव है। यहां पर्यटकों के रुकने की व्यवस्था एवं परिपथ निर्माण प्रस्तावित है। सिहावा में यात्रियों के ठहरने के लिए समरसता भवन, ऋषि आश्रम जीर्णोद्धार का कार्य होगा। पेयजल सुविधा, गार्डन निर्माण, तालाब सौंदर्यीकरण, शौचालय, विश्रामगृह, नील नदी में स्टॉप डेम, अंडरग्राउंड नाली निर्माण का कार्य होगा। तुरतुरिया में कॉटेज बनाए जाएंगे, महानदी पर वाटरफ्रंट डेवलपमेंट और कॉटेज विकसित होंगे, बस्तर व दंतेवाड़ा के गीदम में जटायु द्वार, बारसूर में ट्राइबल कॉटेज बनाए जाने की योजना है।

भगवान राम के वनवास की स्मृतियों को छत्तीसगढ़ में सहेजने का सार्थक प्रयास

राम वन गमन पर्यटन परिपथ के प्रथम चरण में पौराणिक महत्व के 9 स्थलों का 138 करोड़ रूपए की लागत से किया जा रहा है विकास

रायपुर। भगवान श्रीराम के वनवास की स्मृतियों को सहेजने तथा संस्कृति एवं पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा राम वन गमन परिपथ परियोजना के माध्यम से सार्थक प्रयास किया जा रहा है। राम वन गमन परिपथ अंतर्गत प्रथम चरण में चिन्हित 9 पर्यटन तीर्थों का तेजी से कायाकल्प कराया जा रहा है। इस परियोजना के अंतर्गत इन सभी पर्यटन तीर्थों की आकर्षक लैण्ड स्कैपिंग के साथ-साथ पर्यटकों के लिए सुविधाओं का विकास भी किया जा रहा है। 138 करोड़ रूपए की इस परियोजना में उत्तर छत्तीसगढ़ के कोरिया जिले से लेकर दक्षिण छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले तक भगवान राम के वनवास काल से जुड़े स्थलों का संरक्षण एवं विकास किया जा रहा है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने चंदखुरी स्थित माता कौशल्या मंदिर में वर्ष 2019 में भूमिपूजन कर राम वनगमन पर्यटन परिपथ के निर्माण की शुरूआत की थी। इस परिपथ में आने वाले स्थानों को रामायणकालीन थीम के अनुरूप सजाया और संवारा जा रहा है। छत्तीसगढ़ शासन की इस महात्वाकांक्षी योजना से भावी पीढ़ी को अपनी सनातन संस्कृति से परिचित होने के अवसर के साथ ही देश-विदेश के पर्यटकों को उच्च स्तर की सुविधाएं भी प्राप्त होगी। 07 अक्टूबर 2021 को तीन दिवसीय भव्य राष्ट्रीय आयोजन के साथ माता कौशल्या मंदिर, चंदखुरी के सौंदर्यीकरण एवं जीर्णोद्धार कार्यों का लोकार्पण मुख्यमंत्री द्वारा किया गया है, जिसके पश्चात् पर्यटकों की संख्या में अत्यधिक वृद्धि हुई है, जो कि राम वनगमन पर्यटन परिपथ निर्माण की सफलता का परिचायक है।

छत्तीसगढ़ की संस्कृति एवं परम्परा में प्रभु श्री राम रचे-बसे हैं। जय सिया राम के उद्घोष के साथ यहाँ दिन की शुरूआत होती है। इसका मुख्य कारण है कि कि छत्तीसगढ़ वासियों के श्री राम केवल आस्था ही नहीं है बल्कि वे जीवन की एक अवस्था और जीवन की आदर्श व्यवस्था भी है, जो हमारे रोम-रोम में बसे हुए हैं, बस वही तो ''राम'' हैं, राम इस राज्य के प्राण हैं। भारत से लेकर दुनिया के कई देशों में श्रीराम को भगवान के रूप में पूजा जाता है लेकिन छत्तीसगढ़ की शस्य श्यामला भूमि, श्रीराम को भांजे के रूप में पूजती है। रायपुर से महज 27 कि.मी. की दूरी पर स्थित चंदखुरी, आरंग को माता कौशल्या की जन्मभूमि और श्रीराम का ननिहाल माना जाता है। छत्तीसगढ़ का प्राचीन नाम दक्षिण कोसल है। दक्षिण कोसल एक ऐसी पवित्र धरा है जो उत्तर और दक्षिण दोनों क्षेत्र को जोड़ती है। इसीलिए छत्तीसगढ़ को दक्षिणा पथ भी कहा जाता है।

रघुकुल शिरोमणि श्रीराम की जन्मभूमि अयोध्या है लेकिन छत्तीसगढ़ उनकी कर्मभूमि है। चौदह वर्ष के कठिन वनवास काल के दौरान अयोध्या से प्रयागराज, चित्रकूट सतना गमन करते हुए श्रीराम ने दक्षिण कोसल याने छत्तीसगढ़ के कोरिया जिले के भरतपुर पहुंचकर मवई नदी पारकर दण्डकारण्य में प्रवेश किया। मवई नदी के तट पर बने प्राकृतिक गुफा मंदिर, सीतामढ़ी-हरचौका में पहुंचकर उन्होनें विश्राम किया। इस तरह रामचंद्र जी के वनवास काल का छत्तीसगढ़ में पहला पड़ाव भरतपुर के पास सीतामढ़ी-हरचौका को माना जाता है।

छत्तीसगढ़ की पावन धरा में रामायण काल की अनेक घटनाएं घटित हुई हैं जिसका प्रमाण यहां की लोक संस्कृति, लोक कला, दंत कथा और लोकोक्तियां है। कई शोध प्रकाशनों से पता चलता है कि प्रभु श्रीराम ने छत्तीसगढ़ में वनगमन के दौरान लगभग 75 स्थलों का भ्रमण किया। इनमें से 65 स्थल ऐसे है जहां सियाराम ने लक्ष्मण जी के साथ रूककर कुछ समय व्यतीत किया था।

छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक परम्पराओं में शामिल मूल्यों को सहेजने और उन्हें पुर्नस्थापित करने का कार्य छत्तीसगढ़ शासन द्वारा शुरू किया गया है। कोरिया से लेकर सुकमा तक राम वनगमन मार्ग में अनेक साक्ष्य बिखरे पड़े हैं जिन्हें सहेजना छत्तीसगढ़ के सांस्कृतिक मूल्यों को ही सहेजना है। इसीलिए मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल जी ने इस पूरे राम वन गमन मार्ग को पर्यटन परिपथ के रूप में विकसित करने की योजना बनाई है। इसके अंतर्गत प्रथम चरण में सीतामढ़ी-हरचौका (कोरिया), रामगढ़ (सरगुजा), शिवरीनारायण (जांजगीर-चांपा), तुरतुरिया (बलौदाबाजार) भाठापारा, चंदखुरी (रायपुर), राजिम (गरियाबंद), सप्तऋषि आश्रम सिहावा (धमतरी), जगदलपुर और रामाराम (सुकमा) को विकसित किया जा रहा है।

कोरिया जिले का सीतामढ़ी रामचन्द्र जी के वनवास काल का पहला पड़ाव माना जाता है। नदी के किनारे इस स्थान पर गुफाओं में 17 कक्ष है जो सीता की रसोई के नाम से भी प्रसिद्ध है। यहीं पर अत्री मुनि के आश्रम में माता अनसुईया ने सीता जी को नारी धर्म का ज्ञान दिया था, इस वजह से इस क्षेत्र को सीतामढ़ी के नाम से जाना जाता है।

पौराणिक और ऐतिहासिक ग्रंथों में रामगिरि पर्वत का उल्लेख आता है। सरगुजा जिले का यही रामगिरि-रामगढ़ पर्वत है। यहां स्थित सीताबेंगरा-जोगीमारा गुफा की रंगशाला को विश्व की सबसे प्राचीन रंगशाला माना जाता है। मान्यता है कि वन गमन काल में रामचंद्र जी के साथ सीता जी ने यहां कुछ समय व्यतीत किया था इसीलिए इस गुफा का नाम सीताबेंगरा पड़ा।

जांजगीर -चांपा जिले में प्राकृतिक सौन्दर्य से परिपूर्ण शिवनाथ, जोंक और महानदी का त्रिवेणी संगम स्थल शिवरीनारायण है। इस विष्णुकांक्षी तीर्थ का संबंध शबरी और नारायण होने के कारण इसे शबरी नारायण या शिवरीनारायण कहा जाता है। ये मान्यता है कि इसी स्थान पर माता शबरी ने वात्सल्य वश बेर चखकर मीठे बेर रामचंद्र जी को खिलाए थे। यहां नर-नारायण और माता शबरी का मंदिर है जिसके पास एक ऐसा वट वृक्ष है जिसके पत्ते दोने के आकार के है।

जिले में सघन वन क्षेत्र से घिरा बालमदेवी नदी तट पर बसा तुरतुरिया छोटा सा ग्राम है। जनश्रुति के अनुसार महर्षि वाल्मीकि का आश्रम यहीं था और तुरतुरिया ही लव-कुश की जन्मस्थली है। यहां पर नदी का पानी प्राकृतिक चट्टानों से होकर तुरतुर की ध्वनि के साथ प्रवाहित होता है जिससे इस स्थान का नाम तुरतुरिया पड़ा।

चंद्रवंशीय राजाओं के नाम से चंद्रपुरी कहलाने वाला ग्राम चंदखुरी माता कौशल्या की जन्मस्थली और मर्यादा पुरूषोत्तम श्री राम का ननिहाल है। राजधानी रायपुर से 27 कि.मी. की दूरी पर 126 तालाबों वाले इस गांव में जलसेन तालाब के बीच में भारत का एक मात्र माता कौशल्या का ऐतिहासिक मंदिर स्थित है। पुत्र रामचंद्र को गोद में लिए हुए माता कौशल्या की अद्भुत प्रतिमा इस मंदिर को दुर्लभ बनाती है।

अपने वनवास काल में सियाराम ने आरंग से नदी मार्ग से चम्पारण्य और फिर महानदी जल मार्ग से राजिम में प्रवेश किया। महानदी, सोण्दूर और पैरी नदी के संगम के कारण छत्तीसगढ़ का प्रयागराज माना जाने वाला राजिम प्राचीन समय में कमल क्षेत्र पद्मावतीपुरा था। वन गमन के समय रामचंद्र जी ने लोमश ऋषि आश्रम में कुछ समय व्यतीत किया था। यहां से सियाराम ने लक्ष्मण जी के साथ कुलेश्वर महादेव के दर्शन कर पंचकोशी की यात्रा की थी।

धमतरी से 65 कि.मी. की दूरी पर घने जंगलों और पहाड़ियों से घिरा हुआ पवित्र स्थल सिहावा है। छत्तीसगढ़ की जीवनदायिनी पौराणिक महानदी का ये उद्गम क्षेत्र है। श्रृंगी ऋषि का आश्रम होने के कारण इसे सिहावा कहा जाता है। मान्यता है कि राजा दशरथ ने पुत्र प्राप्ति के लिए सिहावा से श्रृंगी ऋषि को पुत्रेष्ठि यज्ञ के लिए अयोध्या आमंत्रित किया था और उसी यज्ञ स्वरूप प्रभु श्रीराम, लक्ष्मण, भरत और शत्रुघन को जन्म हुआ।

वनगमन करते हुए प्रभु श्रीराम नारायणपाल से इन्द्रावती नदी मार्ग से दण्डकारण्य के प्रमुख केन्द्र जगदलपुर पहुंचे। यहां स्थित 5 कि.मी. लम्बा और 2 कि.मी. चौड़ा विशाल दलपत जलाशय किसी समुद्र का आभास देता है। राम वनगमन का बस्तर क्षेत्र में महत्वपूर्ण पड़ाव चित्रकोट को माना जाता है। इन्द्रावती से गिरते हुए जलप्रपात के प्राकृतिक सौन्दर्य के कारण सिया-राम का ये रमणीय स्थान रहा है। मान्यता है कि इसी स्थान पर प्रभु श्री राम से मिलने हिमगिरी पर्वत से भगवान शिव-पार्वती आए थे।

दण्डकारण्य क्षेत्र में भ्रमण करते हुए श्री रामचन्द्र दक्षिणापथ जाते समय कोटम्बसर से आगे नदी मार्ग से सुकमा होकर ऐसे स्थान पहुंचे जो उनके नाम से ही जाना जाता है। इस पवित्र स्थल का नाम रामाराम है। इसी के पास पहाड़ी पर श्रीराम के पद चिन्ह होने की किवदन्ती है। ये भी जनश्रुति है कि यहां पर श्री राम ने भू-देवी की पूजा की थी। रामाराम में प्रसिद्ध चिट्मिट्न देवी का मंदिर है। रामनवमीं के दिन रामाराम में विशाल मेला लगता है। छत्तीसगढ़ न केवल भगवान राम की कर्मस्थली है बल्कि उनके जीवन संघर्षो का भी साक्षी है। छत्तीसगढ़ सरकार की सोच है कि मूल्यविहीन विकास न तो मनुष्यों के लिए कल्याणकारी हो सकता है और न ही प्रकृति के लिए।

खास खबर

शहर के विकास कार्यों की विधायक वोरा करेंगे विभागीय समीक्षा

दुर्ग। दुर्ग शहरी क्षेत्र में वर्तमान में लोक निर्माण विभाग एवं नगरीय निकाय के 400 करोड़ रु से अधिक के विकास कार्य प्रगतिरत हैं। जिन्हें अतिशीघ्र पूर्ण करवाने के लिए वरिष्ठ कांग्रेस विधायक एवं छत्तीसगढ़ राज्य भंडारगृह निगम के अध्यक्ष अरुण वोरा लगातार प्रयासरत हैं। इस आशय से उन्होंने लोनिवि एवं निगम अधिकारियों को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ का विकास मॉडल पूरे देश मे चर्चा का विषय है जहां शहरी एवं ग्रामीण अधोसंरचना विकास, आर्थिक सशक्तिकरण एवं मानव संसाधन को सशक्त बनाने की दिशा में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व में दूरगामी परिणाम देने वाले अभूतपूर्व कार्य किए जा रहे हैं। किन्तु विकास कार्यों का क्रियान्वयन एवं गुणवत्ता में किसी भी तरह का समझौता नहीं किया जाएगा। शहरी क्षेत्र में लोनिवि के अंतर्गत 64 करोड़ से मुख्यमार्ग उन्नयन, 54 करोड़ से पुलगांव अंजोरा फोरलेन, 100 करोड़ से अंडा दुर्ग पहुंच मार्ग, 14 करोड़ का ऑडिटोरियम, बोरसी रुआ बांधा मार्ग, बोरसी हनोदा मार्ग, दुर्ग धमधा मार्ग जैसे बड़े कार्यों को स्वीकृति दिलाकर प्रारंभ कराया गया है।

कांग्रेस सरकार के सवा तीन साल के कामों से खैरागढ़ चुनाव जीतेंगे - मोहन मरकाम

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम ने कहा कि खैरागढ़ की जनता ने मन बना लिया है वहां से कांग्रेस की प्रत्याशी यशोदा वर्मा प्रचंड बहुमत से चुनाव जीत रही है। छत्तीसगढ़ के भाजपा नेताओं से खैरागढ़ का चुनाव नहीं संभल पा रहा इसीलिये भाजपा देश भर से भाजपा नेताओं को बुला कर भाजपा खैरागढ़ चुनाव लड़ने की औपचारिकता निभा रही है। भाजपा के जितने भी नेता छत्तीसगढ़ आये सबने छत्तीसगढ़ के किसानों के खिलाफमें बयान दिया। भाजपा के सारे के सारे नेता कांग्रेस के द्वारा खैरागढ़ को जिला बनाने के वादे का विरोध कर रहे भाजपा को खैरागढ़ जिला बनने पर पीड़ा है। केंद्रीय मंत्री प्रहलाद पटेल को 2500 में धान कीमत देने पर राज्य के दिवालिया होने की बात कहकर गये। जिन शिवराज से मध्यप्रदेश नहीं संभल पा रहा वे शिवराज छत्तीसगढ़ में बड़ी-बड़ी बातें कर रहे थे। शिवराज बतायें मध्यप्रदेश में किसानों की धान कितने में खरीद रहे हैं। देश में सबसे महंगा पेट्रोल-डीजल मध्यप्रदेश में क्यों है? जो शिवराज मध्यप्रदेश की जनता को पीने का पानी उपलब्ध नहीं करवा पा रहे वे खैरागढ़ में विकास का ज्ञान दे रहे थे। शिवराज सिंह मध्यप्रदेश के बेरोजगार छात्रों से परीक्षा फीस के नाम पर 455 करोड़ रू.वसूला है। जिस शिवराज के राज में मध्यप्रदेश महिला अपराध की राजधानी बन गया।

केंद्र ने 50 कृषि उत्पादों के लिए सांचा का निर्माण किया

श्रीकंचनपथ न्यूज

नई दिल्ली । माल भाड़े की उच्च दरों, कंटेनरों की कमी आदि के रूप में कोविड-19 महामारी द्वारा उत्पन्न लॉजिस्टिक्स संबंधी चुनौतियों के बावजूद, भारत का कृषि निर्यात वित्त वर्ष 2021-22 के लिए 50 बिलियन डॉलर के आगे पहुंच गया है। कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा), जो वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के तहत कार्य करता है, ने 25.6 बिलियन डॉलर के बराबर के, जो 50 बिलियन डॉलर के भारत के कुल कृषि निर्यात का 51 प्रतिशत है, कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पादों का निर्यात करने के माध्यम से एक नया इतिहास रच दिया है।

इसके अतिरिक्त, एपीडा ने 25.6 बिलियन डॉलर का निर्यात दर्ज कराने के द्वारा वित्त वर्ष 2021-22 के लिए 23.7 बिलियन डॉलर के अपने खुद के निर्यात लक्ष्य को भी पार कर लिया है। डीजीसीआईएंडसी द्वारा जारी अनंतिम आंकड़ों के अनुसार, वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान कृषि निर्यात 19.92 प्रतिशत बढ़कर 50.21 बिलियन डॉलर तक पहुंच गया है। यह वृद्धि दर उल्लेखनीय है क्योंकि यह वित्त वर्ष 2020-21 में अर्जित 41.87 बिलियन डॉलर में 17.66 प्रतिशत की वृद्धि से अधिक है और माल भाड़े की उच्च दरों, कंटेनरों की कमी आदि के रूप में कोविड-19 महामारी द्वारा उत्पन्न अभूतपूर्व लॉजिस्टिक्स संबंधी चुनौतियों के बावजूद अर्जित की गई है। एपीडा अनुसूची उत्पादों के निर्यात को ग्राफ-1 से देखा जा सकता है। यह चालू वर्ष, 2021-22 तथा पिछले वर्ष 2020-21 के लिए एपीडा उत्पादों के तुलनात्मक निर्यात को दर्शाता है। एपीडा निर्यातों में अनाज सेक्टर ने वित्त वर्ष 2021-22 में 52 प्रतिशत से अधिक का योगदान दिया है। वित्त वर्ष 2021-22 में पशु धन उत्पादों तथा अन्य प्रसंस्कृत खाद्यों का क्रमश: 17 प्रतिशत और 15 प्रतिशत का योगदान है।

पिछले दो वर्षों के दौरान हुई ऐतिहासिक उपलब्धि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के किसानों की आय को बढ़ाने के विजन में दीर्घकालिक रूप से सहायता करेगी। कुल कृषि निर्यातों की तुलना में, एपीडा के निर्यात में 16 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई जब इसने 2020-21 के 22.03 बिलियन डॉलर की तुलना में वित्त वर्ष 2021-22 में 25.6 बिलियन डॉलर के आंकड़े को छू लिया। पिछले वित्त वर्ष की तुलना में वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान एपीडा उत्पादों (30 प्रतिशत से अधिक) द्वारा दर्ज की गई उच्चतम वृद्धि दर ग्राफ-2 से देखी जा सकती है। डीजीसीआईएंडसी द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान चावल का निर्यात 9654 मिलियन डॉलर के साथ शीर्ष विदेशी मुद्रा अर्जित करने वाला था जो पिछले वित्त वर्ष की तुलना में 9.35 प्रतिशत बढ़ कर 8829 मिलियन डॉलर तक पहुंच गया था।

वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान गेहूं के निर्यात ने 2118 मिलियन डॉलर के साथ सर्वकालिक ऊंचाई को छू लिया था जो वित्त वर्ष 2020-21 जब इसने 567 मिलियन डॉलर तक पहुंचा था, की तुलना में 273 प्रतिशत बढ़ गया। अन्य अनाज ने पिछले वित्त वर्ष की तुलना में जब इसने 705 मिलियन डॉलर अर्जित किया था, की तुलना में वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान 1083 मिलियन डॉलर अर्जित करने के द्वारा 53 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज कराई। दलहनों के निर्यात ने वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान 34 प्रतिशत की बढोतरी दर्ज कराते हुए 358 मिलियन डॉलर अर्जित किया जो वित्त वर्ष 2020-21 के दौरान 265 मिलियन डॉलर था। वित्त वर्ष 2021-22 में डेयरी उत्पाद 96 प्रतिशत बढ़ कर 634 मिलियन डॉलर तक पहुंच गए जो वित्त वर्ष 2020-21 के दौरान 323 मिलियन डॉलर भैंस के मांस के निर्यात ने केवल 4 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज कराई जबकि गोजातीय मांस का निर्यात वित्त वर्ष 2020-21 के 3171 मिलियन डॉलर की तुलना में बढ़ कर वित्त वर्ष 2020-21 के दौरान 3303 मिलियन डॉलर तक पहुंच गए। पोल्ट्री उत्पादों का निर्यात पिछले वित्त वर्ष के 58 मिलियन डॉलर की तुलना में बढ़ कर वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान 71 मिलियन डॉलर तक पहुंच गया।

शहीद महेन्द्र कर्मा तेन्दूपत्ता संग्राहक सामाजिक सुरक्षा योजना

दिसम्बर 2021 तक 3 हजार 827 प्रकरणों में 57.52 करोड़ रुपए की राशि का भुगतान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। दिसम्बर 2021 तक 3 हजार 827 प्रकरणों में 57.52 करोड़ रूपए की राशि का भुगतानमुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा वनवासी तेन्दूपत्ता संग्राहकों को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से महत्वपूर्ण कार्यक्रम चलाया जा रहा है। इसके तहत वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री मोहम्मद अकबर के मार्गदर्शन में राज्य में तेंदूपत्ता संग्राहकों के हित में शहीद महेन्द्र कर्मा तेंदूपत्ता संग्राहक सामाजिक सुरक्षा योजना का कुशलतापूर्वक संचालन हो रहा है। राज्य में योजना के अंतर्गत 05 अगस्त 2020 से माह दिसम्बर 2021 तक 3 हजार 827 प्रकरणों में 57 करोड़ 52 लाख रूपए की राशि का भुगतान किए जा चुके हैं।

इसके तहत स्वीकृत प्रकरणों में वन मंडलवार बीजापुर अंतर्गत 219 प्रकरणों में 03 करोड़ 58 लाख रूपए, सुकमा के 46 प्रकरणों में 81 लाख, दंतेवाड़ा के 78 प्रकरणों में एक करोड़ 37 लाख रूपए तथा जगदलपुर के 16 प्रकरणों में 29 लाख 65 हजार रूपए की राशि स्वीकृत है। इसी तरह पश्चिम भानुप्रतापपुर के 187 प्रकरणों में 2 करोड़ 83 लाख रूपए, पूर्व भानुप्रतापपुर के 314 प्रकरणों में 4 करोड़ 38 लाख रूपए, कोण्डागांव के 27 प्रकरणों में 34 लाख रूपए की राशि स्वीकृत है।

वन मंडलवार नारायणपुर के 47 प्रकरणों में 77 लाख रूपए, कांकेर के 262 प्रकरणों में 3 करोड़ 64 लाख रूपए, केशकाल के 22 प्रकरणों में 32 लाख रूपए तथा मरवाही के 31 प्रकरणों में 52 लाख रूपए की राशि स्वीकृत है। बिलासपुर के 53 प्रकरणों में 64 लाख रूपए, कोरबा के 155 प्रकरणों में 02 करोड़ 51 लाख रूपए, कटघोरा के 100 प्रकरणों में 01 करोड़ 57 लाख रूपए, रायगढ़ के 277 प्रकरणों में 04 करोड़ 48 लाख रूपए की राशि स्वीकृत है। इसके अलावा धरमजयगढ़ के 157 प्रकरणों में 02 करोड़ 54 लाख रूपए तथा जांजगीर-चांपा के 34 प्रकरणों में 58 लाख रूपए रूपए की राशि स्वीकृत है।

इसी तरह वन मंडलवार बालोद के 89 प्रकरणों में 01 करोड़ 29 लाख रूपए, कवर्धा के 52 प्रकरणों में 74 लाख रूपए, धमतरी के 137 प्रकरणों में 01 करोड़ 78 लाख रूपए तथा गरियाबंद के 390 प्रकरणों में 05 करोड़ 37 लाख रूपए की राशि स्वीकृत है। महासमुंद के 344 प्रकरणों में 05 करोड़ 30 लाख रूपए, बलौदाबाजार के 47 प्रकरणों में 72 लाख रूपए, सरगुजा के 59 प्रकरणों में 01 करोड़ 11 लाख रूपए तथा सूरजपुर के 73 प्रकरणों में 01 करोड़ 31 लाख रूपए की राशि स्वीकृत है। इसके अलावा बलरामपुर के 172 प्रकरणों में 03 करोड़ 2 लाख रूपए, कोरिया के 38 प्रकरणों में 57 लाख रूपए, मनेन्द्रगढ़ के 47 प्रकरणों में 81 लाख रूपए तथा जशपुर नगर के 75 प्रकरणों में 01 करोड़ 12 लाख रूपए की राशि स्वीकृत है।

गौरतलब है कि राज्य में तेंदूपत्ता संग्राहक परिवारों को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से यह योजना विगत 5 अगस्त 2020 से संचालित है। इस योजना के अंतर्गत तेंदूपत्ता संग्रहण में लगे पंजीकृत संग्राहक परिवार के मुखिया, जिनकी आयु मृत्यु दिनांक को 18 से 50 वर्ष तक हो, उसकी सामान्य मृत्यु होने पर उसके द्वारा नामांकित व्यक्ति अथवा उत्तराधिकारी को दो लाख रूपए की सहायता अनुदान राशि प्रदान की जाती है। दुर्घटना से मृत्यु होने पर दो लाख रूपए की राशि अतिरिक्त रूप से प्रदान की जाती है।

बीएसपी खान समूह-खान पर्यावरण एवं खनिज संरक्षण 2021-22 के लिए पुरस्कृत

श्रीकंचनपथ न्यूज

महामाया-दुल्की खान को ग्रुप ए-2 में सर्वोच्च पुरस्कार

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र की खानों ने विभिन्न श्रेणियों में खानों के प्रदर्शन के लिए खान पर्यावरण खनिज संरक्षण (एमईएमसी) 2021-22 में 13 पुरस्कार जीते हैं। भारतीय खान ब्यूरो रायपुर क्षेत्र के मार्गदर्शन में 28 फरवरी से 5 मार्च 2022 तक छत्तीसगढ़ राज्य में खान पर्यावरण एवं खनिज संरक्षण सप्ताह मनाया गया। खान पर्यावरण एवं खनिज संरक्षण सप्ताह का समापन समारोह एवं पुरस्कार वितरण का कार्यक्रम का आयोजन दिनांक 08 अप्रेल, 2022 को एनएमडीसी द्वारा नया रायपुर में किया गया।

इस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में श्री संजय लोहिया, आईएएस, खान मंत्रालय, भारत सरकार के अतिरिक्त सचिव और भारतीय खान ब्यूरो के प्रभारी महानियंत्रक तथा विषेष अतिथि के रूप में श्री पीयूष नारायण शर्मा, मुख्य खान प्रभारी, भारतीय खान ब्यूरो, नागपुर उपस्थित रहे। कार्यक्रम में सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के निदेषक प्रभारी श्री अनिर्बान दासगुप्ता व डायरेक्टर (प्रोडक्शन) एनएमडीसी श्री डी के मोहन्ती विषेष रूप से उपस्थित थे। भिलाई इस्पात संयंत्र के खान संगठन का प्रतिनिधित्व मुख्य महाप्रबंधक प्रभारी (माइन्स एवं रावघाट) तपन सूत्रधार ने किया।

सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र की खानों को कई पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। संयंत्र के दल्ली-राजहरा आयरन ओर कॉम्प्लेक्स में स्थित महामाया और दुल्की माइंस को तीन पुरस्कारों के साथ माइन्स एनवायरनमेंट मिनरल कंजर्वेशन के ए2 ग्रुप में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए सर्वोच्च पुरस्कार से सम्मानित किया गया। महामाया और दुलकी माइंस ने दो श्रेणियां- सिस्टमेटिक एंड साइंटिफिक डेवलपमेंट श्रेणी एवं सस्टेनेबल डेवलपमेंट श्रेणी में प्रथम पुरस्कार तथा पब्लिसिटी एंड प्रोपेगेंडा श्रेणी में द्वितीय पुरस्कार प्राप्त किया।

इसी प्रकार राजहरा मैकेनाइज्ड माइन्स को मिनरल कंसर्वेषन श्रेणी में प्रथम पुरस्कार और रिक्लेमेषन एंड रिहेबिलिटेषन श्रेणी में द्वितीय पुरस्कार जीता। झरनदल्ली और दल्ली मैकेनाइज्ड माइन्स ने मिनरल बेनेफिषियेषन श्रेणी में प्रथम पुरस्कार तथा रिक्लेमेषन एंड रिहेबिलिटेषन श्रेणी में तृतीय पुरस्कार प्राप्त किया।

इसी क्रम में भिलाई इस्पात संयंत्र की नंदिनी लाइमस्टोन माइंस ने इनवायरमेंटल मॉनीटरिंग श्रेणी में द्वितीय पुरस्कार प्राप्त किया, जबकि रावघाट माइंस प्रोजेक्ट ने इसी इनवायरमेंटल मॉनीटरिंग श्रेणी में ही तीसरा पुरस्कार प्राप्त किया। संयंत्र की नंदिनी लाइमस्टोन माइन्स ने रिक्लेमेशन एंड रिहेबिलिटेषन श्रेणी में भी द्वितीय पुरस्कार प्राप्त किया। राज्य के विभिन्न खनन संगठनों ने आयोजन स्थल पर आयोजित एक प्रदर्शनी में खान पर्यावरण खनिज संरक्षण विषय पर अपना स्टॉल लगाया था। भिलाई इस्पात संयंत्र के स्टॉल को श्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए द्वितीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

इंदिरा गांधी स्कूल में महा अष्टमी के पर्व पर सरस्वती योजना के तहत 20 छात्राओं को दी गई साईकिल

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई । महाअष्टमी के पावन अवसर पर पर इंदिरा गांधी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय रामनगर के परिसर में छत्तीसगढ़ शासन की माहती योजना सरस्वती साइकिल योजना के अंतर्गत 20 साइकिल का वितरण किया गया।

शाला के सचिव काशीनाथ वर्मा ने बताया कि सर्वप्रथम मां सरस्वती के तैल चित्र पर अतिथि मोहनलाल गुप्ता वरिष्ठ कांग्रेसी नेता एवं वार्ड के पार्षद संतोष कुमार मौर्य, मनोज ठाकरे, रवि सोनी द्वारा माल्यार्पण किया गया।

मंत्रोचार शाला के शिक्षक वीर सिंह के द्वारा करते हुए समस्त छात्रों को क्रमबद्ध पार्षद संतोष कुमार मौर्य एवं मोहनलाल गुप्ता श्री राम सिंह , मनोज ठाकरे एवं वरिष्ठ कांग्रेसी नेता मोहनलाल गुप्ता काशीनाथ वर्मा, राजेंद्र कुमार ध्रुव के द्वारा साइकिल का वितरण किया गया।

इस अवसर पर सारा परिवार द्वारा पार्षद संतोष कुमार मौर्य एवं उद्बोधन में कहा कि शासन की योजना का लाभ हर छात्र को मिलना चाहिए जिसमें साइकिल पाठ्य पुस्तक पुस्तकें एवं मध्यान भोजन आदि सभी वशिष्ठ छात्राओं को उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं इस अवसर पर मोहनलाल गुप्ता ने कहा कि आज अष्टमी के पावन अवसर पर हम भी कन्याओं को साइकिल वितरण कर एक महत्वपूर्ण कार्य किया। आभार प्रदर्शन शाला के वरिष्ठ शिक्षक अरुण शर्मा द्वारा किया गया।

इस अवसर पर शाला की की छात्राएं शिक्षक एवं अतिथि संतोष कुमार मौर्य, मोहनलाल गुप्ता , मनोज ठाकरे, राम सिंह, काशीनाथ , काशी लाल वर्मा, अरुण शर्मा, रवि सोनी, आर के ध्रुव, वीर सिंह, रघुवंश तिवारी और ज्योति प्रजापति शिल्पा शर्मा, मोहन दलाई सहित शाला परिवार के शिक्षक गण एवं स्टाफसहित समस्त छात्र-छात्रा उपस्थित थे।

श्री सत्तीचौरा माँ दुर्गा मंदिर में माता जी को 56 भोग चढ़ाकर किया गया माता जी का विशेष श्रृंगार

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। श्री सत्तीचौरा माँ दुर्गा मंदिर, गंजपारा, दुर्ग में आज चैत्र नवरात्र पर्व अष्टमी के अवसर पर माता जी को 56 भोग प्रसादी चढ़ाई गई, एवं हवन पूजन किया गया। समिति के सदस्य नरेंद्र गुप्ता ने बताया कि दुर्गा मन्दिर में अष्टमी के अवसर पर हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी प्रात: 9 बजे माता जी का विभिन्न औषधी, दूध, दही, घी, एवं विभिन्न सामाग्री से अभिषेक किया गया, जिसमें आचार्य विक्रांत दुबे एवं आचार्य आकाश दुबे ने माता जी का अभिषेक पूरे विधिविधान से किये.

दोपहर 12 बजे मंदिर के माता जी को 56 भोग प्रसादी चढ़ाया गया, मुख्य पुजारी पँडित सुनील पांडेय जी द्वारा आज माता जी के गर्भगृह में विशेष श्रृंगार किया गया, जिसमें पूरे मंदिर परिसर को गुलाब फूलों से सजाया गया। प्रतिदिन की तरह दोपहर 1 बजे कन्यापूजन करके कन्याभोज कराया गया, जिसमें 108 कन्यामाताओं को कन्याभोज कराया गया, कन्याभोज कराके सभी कन्यामाताओं को भेंट स्वरूप कॉपी, पेन, डब्बा, नगद राशि दी गयी।

माँ दुर्गा मंदिर में इस वर्ष 381 ज्योति कलश प्रज्ज्वलित किया गया है, ज्योति कलश का विसर्जन कल दिनांक 25 अक्टूबर को प्रात: 8 बजे किया जावेगा एवं प्रात: 10 बजे मन्दिर परिसर में कन्याभोज कराया जावेगा.

समित्ति के सदस्य योगेन्द्र शर्मा बंटी ने बताया कि दिनाँक 10 अप्रैल रविवार रामनवमी को दुर्ग शहर में ऐतहासिक पालकी एवं भव्य शोभायात्रा निकाली जावेगी, जिसमें विशेष रूप से दुर्ग जिले में पहली बार महाराष्ट्र से महिला एवं पुरुष ढोलताशा पथक को आमंत्रित किया गया है, जिसमें लगभग 70 महिला एवं पुरुष अपनी प्रस्तुति देंगे को की आकर्षण का केंद्र रहेगा, इसके साथ साथ शोभायात्रा में कलकत्ता से आकर्षित आतिशबाजी वाले आ रहे है, छत्तीसगढ़ के विभिन्न ढोल बाजा, घोड़ा, बग्गी, रथ, आकर्षित झांकी साथ होगी। महाराष्ट्र से आ रहे ढोलताशा के लिए पूरे जिले में उत्साह है, दूर दूर से लोगों का आने का अनुमान है, जगह जगह स्वागत की तैयारी की जा रही है।

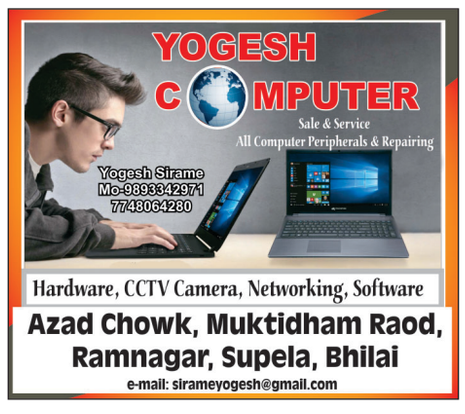

खास-खबर

मारपीट का वीडियो वायरल, रायपुर पुलिस ने उतारी बदमाश की हेकड़ी, कान पकड़कर करने लगा क्षमायाचना

रायपुर (ए)। इंटरनेट मीडिया में मारपीट का एक वीडियो पोस्ट करने वाले बदमाश की पुलिस ने कसकर परेड ली। उसे पकड़कर बस्ती में घूमाया गया। रास्ते भर पुलिस वाले उसे गरियाते रहे। पुलिस की कड़ाई से उसकी पूरी हेकड़ी उतर गई और वो कान पकड़कर क्षमायाचना करने लगा। पुलिस ने क्षमा मांगती हुई इसकी तस्वीर वायरल की। बदमाश की गुंडागर्दी से परेशान लोगों ने पुलिस की प्रशंसा की है। बता दें कि सरस्वती नगर क्षेत्र के सचिन गौतम नामक बदमाश ने कुछ दिन पहले इंटरनेट मीडिया में एक वीडियो पोस्ट किया था। वीडियो में वह एक व्यक्ति की पिटाई करते दिख रहा है। वीडियो के वायरल होने के बाद से पुलिस उसे ढूंढ रही थी। इस बीच वो पुलिस के हत्थे चढ़ गया। पुलिस की पकड़ में आने के बाद उसकी पूरी गुंडागर्दी उतर गई और वो कान पकड़कर क्षमा मांगने लगा। सरस्वती नगर पुलिस ने आरोपित सचिन गौतम के विरुद्ध आर्म्स एक्ट में कार्रवाई की है।

ऑनलाइन सट्टा खिला रहे दो गिरफ्तार

रायपुर (ए)। आईपीएल क्रिकेट मैच के दौरान ऑनलाइन सट्टा खिला रहे दो सटोरियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। नेवरा थाना के सांई मंदिर के पास दो व्यक्ति सीएसके बनाम एसआरएच मैच में आनलाइन सट्टा खिला रहे है। सूचना मिलते ही इन्हें पकड़ा गया। विजय चंदवानी एवं निखिल कुमार ज्ञानचंदानी नामक ये दोनों आरोपित तिल्दा के रहने वाले हैं। इनके पास से तीन नग मोबाइल फोन, नकदी 19,800 रुपये और सट्टा का हिसाब जप्त किया गया है। रायपुर पुलिस द्वारा अब तक आईपीएल क्रिकेट मैच में सट्टा खिलाने के 11 मामलों में कुल 26 व्यक्तियों के विरुद्ध कार्रवाई की जा चुकी है।

महिला से मोबाइल छीनकर भागने वाला गिरफ्तार

रायपुर (ए)। किराना सामान खरीदकर घर जा रही महिला से मोबाइल छीनकर भागने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। प्रार्थीया राखी राजपूत पति रवि राजपूत (39 वर्ष) ने रिपोर्ट दर्ज कराया था कि वह शुक्रवार आठ अप्रैल की शाम सात बजे किराना दुकान से सामान खरीदकर वापस अपने घर जा रही थी। इसी दौरान अज्ञात व्यक्ति इनका मोबाइल छीनकर भाग गया। महिला की रिपोर्ट के आधार पर पुलिस ने सीसीटीवी की जांच की। संदेही आरोपी आकाश थापा उर्फ राजू सिंह (26 वर्ष) को साकिन बाजार चौक भनपुरी से गिरफ्तार किया। कड़ाई से पूछने पर आरोपी ने मोबाइल चोरी करना स्वीकार किया।

शादी की खुशियां मातम में बदली, डीजे पर डांस को लेकर हुए विवाद में युवक की हत्या, चार गिरफ्तार

रायपुर (ए)। राजधानी रायपुर के तिल्दा इलाके के एक परिवार में शादी की खुशियां मातम में बदल गई। दरअसल, शादी में डीजे पर डांस को लेकर हुए विवाद में एक युवक की हत्या कर दी गई। इस मामले में पुलिस ने चार लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर हिरासत में ले लिया है। जानकारी के अनुसार तिल्दा के वार्ड नंबर 4 में एक परिवार में शादी के दौरान रस्म निभाए जा रहे थे। परिवार के सभी लोग खुश थे। लेकिन शुक्रवार की रात डीजे पर डांस को लेकर हुए दो लोगों में विवाद हो गया। विवाद इतना बढ़ गया कि गुस्से में एक युवक ने दूसरे युवक पर चाकू से हमला कर उसकी हत्या कर दी।

छत्तीसगढ़ का शराब डिस्ट्रीब्यूटर बनाने के नाम पर रायपुर के ठेकेदार से डेढ़ करोड़ की ठगी

रायपुर (ए)। राजधानी के राखी थाना क्षेत्र में छत्तीसगढ़ का शराब डिस्ट्रीब्यूटर बनाने के नाम पर दो लोगों से डेढ़ करोड़ रुपये की ठगी का मामला सामने आया है। पुलिस ने दो आरोपितों के खिलाफधोखाधड़ी के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। राखी थाने में ठेकेदार नागेश कौशिक ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि वर्ष 2018 में आरोपित राजेंद्र कुमार शर्मा और जगजीत सिंह ने शराब डिस्ट्रीब्यूटर बनाने के नाम पर एक करोड़ 49 लाख 99 हजार 935 रुपये अलग-अलग किस्तों में लिए।

राशि लेने के बाद भी आरोपितों ने उनके और एक साथी शिव कुमार चंद्राकर से धोखाधड़ी की है। आरोपित राजेंद्र कुमार शर्मा के द्वारा शराब डिस्ट्रीब्यूटर बनाने के नाम पर कई अन्य लोगों से भी ठगी की गई है। राखी थाने से मिली जानकारी के अनुसार, मेसर्स एसएसआर ग्रुप के निदेशक राजेंद्र कुमार शर्मा और जगजीत सिंह के द्वारा मेसर्स एसएसआर डिस्ट्रिलेशन एवं ब्लेंडिंग यूनिट प्राइवेट लिमिटेड का डिस्ट्रीब्यूटर बनाने के नाम पर करोड़ों रुपये लिए हैं। प्रार्थी नागेश कुमार कौशिक सीएसपीडीसीएल में ठेकेदार हैं। आरोपित राजेंद्र कुमार शर्मा और जगजीत सिंह ने पीड़ितों को मंदिरा उत्पान फैक्टरी ग्राम बादल जिला मुक्तसर साहेब पंजाब में स्थित होने की जानकारी देकर झांसे में लिया। आरोपितों की बातों में आकर नागेश कौशिक और उसके साथी शिव कुमार चंद्राकर डिस्ट्रीब्यूटर के रूप में काम करने की सहमति जताकर खाते में राशि जमा कर दिए।

राशि लेकर मोबाइल बंद

आरोपितों ने पीड़ितों से 10 से अधिक बार में राशि बैंक खाते में जमा कराए। पैसे का लेने देन पूरा होने के बाद मेसर्स कंपनी के राजेंद्र कुमार शर्मा द्वारा प्रत्येक माह 5000 पेटी शराब भेजने का अश्वसान दिया गया। इसकी आपूर्ति छत्तीसगढ़ आबकारी विभाग को किया जाना था। सारी लेने देन की प्रक्रिया पूरी होने के बाद भी वर्ष-2021 तक शराब की सप्लाई नहीं की गई। जब पैसे वापस करने की मांग की गई तो दोनों आरोपितों ने मोबाइल बंद कर लिया।

पहले झगड़ा किया फिर लूट लिया

नौकरानी-बच्चे को धमका जेवर-नगद ले गया युवक

कोरबा (ए)। कोरबा में एक आदतन बदमाश ने करीब 3 लाख की लूट कर ली है। पता चला है कि युवक रात को एक घर में घुसा था। जिसके बाद उसने सबसे पहले नौकरानी और बच्चे को धमकाकर कमरे में बंद किया। फिर घर में रखे जेवर समेत 3 लाख रुपए का माल ले उड़ा है। मामला CSEB चौकी क्षेत्र का है।

खपराभट्टा बस्ती में नीलू श्रीवास अपने परिवार के साथ रहती हैं। उनके परिवार और आदतन बदमाश सूरज हथठेल(24) का लंबे समय से किसी बात को लेकर विवाद चल रहा है। इस बीच शुक्रवार को भी किसी बात को लेकर दोनों पक्षों में विवाद हुआ था। इसी विवाद की शिकायत करने नीलू रात को करीब 10.30 बजे थाने गई थी।

बताया जा रहा है कि सूरज नीलू और उसके पति के घर से जाने के बाद घर में घुसा था। इसके बाद उसने नौकरानी और नीलू के बच्चे को ये कहते हुए धमकाया कि चलो कमरे के अंदर नहीं तो अच्छा नहीं होगा। फिर आलमारी में रखे ढ़ाई किलो चांदी, ढाई तोला सोना और 80 हजार रुपए कैश समेत 3 लाख रुपए का माल पार कर दिया। वारदात को अंजाम देकर वह भाग निकला है। इधर, कुछ समय बाद नीलू जब घर पहुंची। तब पूरे मामले का पता चला है।

पुलिस को भी दे चुका है चकमा

दरअसल, सूरज हथठेल शहर का आदतन चोर है। वह कई बार चोरी के मामले में जेल भी जा चुका है। वह इतना बदमाश है कि कई लोग उससे डरते भी हैं। कुछ समय पहले वह लूट के मामले में जेल में बंद था। तब उसे किसी समस्या के चलते अस्पताल लाया गया था। इसके बाद वह अस्पताल से पुलिसवालों को भी चकमा देकर भाग गया था। काफी तलाश करने के बाद वह पुलिस को मिला था। बाद में सूरज जेल से छूट गया था। ऐसे में एक बार फिर से उसने इसी तरह की वारदात को अंजाम दिया है। आशंका व्यक्त की जा रही है, कि पिछले दिनों खपराभट्टा क्षेत्र में हुई चोरी में उसका ही हाथ होगा। फिलहाल पुलिस ने इस मामले में भी केस दर्ज कर उसकी तलाश शुरू की है

क्रिकेट सट्टे की पैसे की वसूली से परेशान होकर रोहित ने की थी खुदकुशी, दो आरोपी इंदौर से गिरफ्तार

रायपुर (ए)। छह महीने पहले राजधानी के गुढ़ियारी इलाके में पैसे के लेन-देन के नाम पर धमकाने से परेशान होकर रोहित माखीजा ने चौथी मंजिल से कूदकर खुदकुशी कर ली थी। गुढ़ियारी थाना पुलिस ने इस मामले में पांच युवकों के खिलाफ आत्महत्या के लिए दुष्प्रेरित करने का अपराध दर्ज किया था। पुलिस ने मामले में फरार चल रहे दो आरोपितों को मप्र के इंदौर में दबिश देकर गिरफ्तार कर लिया। एसएसपी ने फरार चल रहे अन्य तीन आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए दस हजार रूपये के इनाम की घोषणा की है।

गुढ़ियारी पुलिस थाना प्रभारी विनित दुबे ने बताया कि मूलत: मप्र के सतना जिले के निवासी मृतक रोहित माखीजा यहां डंगनिया में अपनी बहन के घर पर कई महीनों से रह रहा था। इस दौरान उसका परिचय आईपीएल क्रिकेट मैच में सट्टा खिलाने वाले सटोरियों से हो गया था। सट्टे के खेल में रोहित माखीजा लाखों रूपये हार गया था। उस पर सात से आठ लाख रूपये का कर्ज चढ़ गया था।

आरोपित अंकुर वासवानी, अमर रावलानी, राहुल, योगेश और उमेश आईपीएल मैच में सट्टा खेलने के नाम से पैसे लौटाने के लिए लगातार रोहित माखीजा को शारीरिक व मानसिक रूप से प्रताड़ित करते आ रहे थे। यहीं नहीं, रोहित और उसकी बहन तनुजा माखीजा उर्फ वंशिका जोधानी के वाट्सएप नंबर पर भी पैसे देने के लिए मैसेज कर धमकाते थे।

धमकी से परेशान होकर रोहित ने 25 सितंबर 2021 को श्रीकृष्णानगर, गुढियारी स्थित मकान नंबर 43 के चौथी मंजिल से कूदकर खुदकुशी कर ली। पुलिस ने जांच उपरांत पांचों संदेहियो के खिलाफ आत्महत्या के लिए दुष्प्रेरित करने की धारा 306, 34 के तहत अपराध दर्ज किया था। अपराध दर्ज होने के बाद से ही सभी आरोपित फरार थे।

इधर, पुलिस टीम ने गुरूवार को मध्यप्रदेश के इंदौर में दबिश देकर मूलत: मप्र के कटनी जिले के शांतिनगर थाना माधवनगर निवासी अंकुर वासवानी (20) और न्यू राजेंद्रनगर, पवन विहार कालोनी निवासी अमर रावलानी(24) को गिरफ्तार कर लिया। दोनों को शुक्रवार रायपुर लाकर कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया गया। फरार चल रहे योगेश, अमन, उमेश की पतासाजी की जा रही है।

जादू टोना के शक में हत्या: युवक के घर पहुंच गए 2 लोग ने कुल्हाड़ी से सिर पर किया वार, दोनों गिरफ्तार

दंतेवाड़ा (ए)। छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा जिले में जादू-टोना के शक में एक युवक की हत्या कर दी गई है। गांव के ही 2 ग्रामीणों ने युवक के सिर में कुल्हाड़ी से वारकर मारा है। हत्या के चंद घंटों में पुलिस ने आरोपी दोनों युवकों को गिरफ्तार कर लिया है। मामला जिले के किरंदुल थाना क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक, जिले के पीरनार गांव के डेरगापारा के रहने वाले युवक विज्जो कुंजाम की हत्या हुई है। बताया जा रहा है कि युवक गांव में सिरहा का काम करता था। गांव के ही दो युवक पोदिया उर्फ पीलू (32) और भीमा उर्फ गुंडा (29) को विज्जो पर शक था कि यह इनपर और इनके परिवार पर जादू-टोना कर रहा है। इसी शक पर दोनों युवक विज्जो के घर पहुंच गए। जहां पहले विज्जो के साथ इनकी बहस हुई। दोनों में से एक युवक ने घर पर ही रखे कुल्हाड़ी से विज्जो के सिर पर वार कर दिया। जिससे मौके पर ही युवक ने दम तोड़ दिया।

वन विभाग के गोदाम से 40 साल पुराने दस्तावेज चोरी

9 संदिग्धों को हिरासत में लेकर पद्मनाभपुर पुलिस कर रही पूछताछ

भिलाई। वन मंडल कार्यालय के पास तीन गोदाम का ताला तोड़कर बदमाशों ने वन विभाग से जुड़े 40 साल पुराने और महत्वपूर्ण दस्तावेज चोरी कर लिया। शिकायत के बाद पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज किया और 9 संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। पुलिस ने संदिग्धों को इलाके में लगे सीसीटीवी फुटेज और कर्मचारियों से पूछताछ के आधार पर पकड़ा है।

पुलिस जल्द ही पूरे मामले का खुलासा करेगी। पद्मनाभपुर पुलिस ने शुक्रवार को वन विभाग की संलग्नाधिकारी मोना महेश्वरी की शिकायत पर धारा 457 और 380 के तहत केस दर्ज किया है। महिला अधिकारी ने पुलिस को बताया कि शुक्रवार को स्थापना शाखा प्रभारी से सूचना मिली की ऑफिस के समीप बने तीन गोदाम का ताला टूटा हुआ है। जांच करने पर पता चला कि विभाग के दस्तावेज गायब है। बदमाश 15 मार्च से 8 अप्रैल के बीच गोदाम का ताला तोड़ दस्तावेज चोरी करके ले गए हैं। संदिग्धों में जीतू देवार, शंभू दयाल, मणीराम साहू, मो. आमिर आदि शामिल हैं।

आलमारी बोरी, रैक व पेटी से दस्तावेज गायब

महिला अधिकारी ने पुलिस को बताया कि गोदाम में लगभग 40 साल पुराने दस्तावेज बोरी, रैक, पेटी और आलमारी में रखे हुए थे। गोदाम में दस्तावेज समेत कालातीत हर्बल उत्पाद रखे हुए थे। चोरी की घटना का पता तब

चला जब स्थापना शाखा प्रभारी पुराने अभिलेख से जुड़े दस्तावेज तलाशने गए। गोदाम में तेंदूपत्ता संग्राहकों से संबंधित दस्तावेज, प्राथमिक वनोपज सहकारी समिति से संबंधित दस्तावेज, प्रमाणक, विभिन्न योजनाओं से संबधित दस्तावेज व अन्य अभिलेख रखे थे। उक्त दस्तावेज भी गायब है।

विभाग से जुड़े यह अहम दस्तावेज रखे थे

पुलिस के मुताबिक गोदाम से स्थापना शाखा के सर्विस बुक आदेश संबंधी नस्ती, वेतन पंजी, पेंशन संबंधी नस्ती, कार्यालयीन प्रकरण संबंधी नस्ती, विभागीय जांच संबंधी नस्ती, अर्जित अवकाश, स्पष्टीकरण, कारण बताओं संबंधी नस्ती, विधानसभा संबंधी नस्ती, अनुकंपा नियुक्ती संबंधी नस्ती रखे थे। राजस्व शाखा आरामशीन लायसेंस बुक, न्यायालयीन प्रकरण, बैंक ड्राफट पंजी, पी.ओ.आर. प्रकरण, व्यापारी-वनिर्माता- बढईगिरी लायसेंस बुक, बसोड बही आदि दस्तावेज चोरी हो गए हैं।

गड़बड़ी को छिपाने की आशंका, पूछताछ जारी

पुलिस को शंका है कि इस चोरी के पीछे पूर्व में की गई कोई बड़ी गड़बड़ी या फिर भ्रष्टाचार को छिपाना बड़ा कारण हो सकता है। गोदाम में जितने दस्तावेज रखे हैं, उसमें सबसे ज्यादा संग्राहकों से जुड़े हैं। चोरों ने सिर्फ फाइलें ही चुराई, जिससे काफी हद तक यही बात सामने आ रही है। क्योंकि ये दस्तावेज चोरों के लिए आखिर किस तरह उपयोगी साबित हो सकते हैं, यह बड़ा सवाल है। इसके अलावा मामला वन संपदा की तस्करी से भी जुड़ा हो सकता है।

शेयर मार्केट में रकम दोगुना करने का झांसा देकर ठगी, चार गिरफ्तार

रायपुर (ए)। शेयर मार्केट में रकम दोगुना करने का झांसा देकर ठगी करने वाले मध्यप्रदेश देवास के ठग गिरोह को पुलिस ने दबोचा है। ठगों ने रायपुर के गंज थाना क्षेत्र के सिंह संपत्ति को झांसे में लेकर 25 दिनों में पैसा दोगुना करने का झांसा देकर छह लाख 85 हजार रुपये एंठ लिए थे। पुलिस ने आरोपित को देवास से गिरफ्तार किया है।

आदित्य पटेल उर्फ अंशुल जैन (22), पिता ईश्वर लाल पटेल निवासी लोहार बिपालिया थाना बावड़िया औद्योगिक क्षेत्र जिला देवास, अमित पटेल (22) पिता सुभाष पटेल निवासी बिपालिया थाना बावड़िया औद्योगिक क्षेत्र जिला देवास, शुभम तिवारी उर्फ गौतम शाह (23), तहसील टोंकखुर्द जिला देवास, राहुल मारू (28) पिता हरिराम मारू लोसरा बाद गांव थाना बीएनपी जिला देवास मध्यप्रदेश को गिरफ्तार किया है। उल्लेखनीय है कि आरोपित पहले खुद शेयर मार्केट में पैसा लगाते थे। शेयर मार्केट के बारे में अच्छी खासी जानकारी रखने के बाद ठगी का जाल शुरू बिछाना शुरू किया। लोगों को अपने झांसे में लेने लगे। इसके लिए ऑफिस भी खोल रखा था।

शनिवार को पुलिस कंट्रोल रूम में मामले का राजफाश एंटी क्राइम यूनिट एंड साइबर सेल के एडिशनल एसपी अभिषेक महेश्वरी और एडिशनल एसपी तारकेश्वर पटेल ने किया। गंज थाना क्षेत्र नर्मदापारा निवासी दिव्या आरती सिंह और उनके बिल्डर पति राजकुमार राठौर के साथ ठगी हुई थी।

मर्यादा पुरुषोत्तम के पदचिन्हों पर निर्माणाधीन

राम वन गमन पर्यटन परिपथ

आस्था और विकास के
2260 किमी

जीवंतता के
9 आस्था केंद्र

शिवरीनारायण धाम

तथा संबद्ध आस्था केन्द्रों का जीर्णोद्धार और सौंदर्यीकरण का

लोकार्पण

10 अप्रैल, 2022

विष्णुकांक्षी तीर्थ, जांजगीर-चांपा

8-10 अप्रैल तक विविध आयोजन

- प्रदेश के 25 ज़िलों की मानस मंडलियों द्वारा प्रस्तुतियां
- देश और प्रदेश के कलाकारों की सांस्कृतिक प्रस्तुतियां
- माता शबरी के जीवन पर आधारित नृत्य नाटिका
- ममता चंद्राकर,अनूप जलोटा, दिलीप षड़ंगी और अनुराधा पौडवाल द्वारा गायन प्रस्तुति

श्री भूपेश बघेल
माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

छत्तीसगढ़ की गौरवशाली संस्कृति एवं धरोहर के संरक्षण की ओर बढ़ते कदम

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950